RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:178 ता. 03 जनवरी 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

केजरीवाल ईडी का सामना करेंगे या नहीं, आप ने क्या दिया इस सवाल का जवाब

नई दिल्ली। कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में तीसरी बार तलब किए गए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल क्या प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने बुधवार को पेश होंगे? इस सवाल पर सस्पेंस अब भी बरकरार है। आम आदमी पार्टी (आप) ने इस पर हां या ना में जवाब ना देकर कुछ उसी तरह टाल दिया है जिस तरह पहले दो मौकों पर आखिरी वक्त में जवाब सामने आया कि केजरीवाल ईडी के सामने नहीं जाएंगे। मंगलवार को पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि आप ईडी के समन पर कानून के मुताबिक फैसला लेगी। कक्कर से प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मंगलवार को पूछा गया कि क्या केजरीवाल ईडी के सामने पूछताछ के लिए हाजिर होंगे। उन्होंने कहा, हमारी लीगल टीम इस सवाल का बेहतर जवाब दे सकती है। हम कानून के मुताबिक काम करेंगे। ईडी ने केजरीवाल को 3 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया है। यह तीसरा मौका है जब उन्हें केंद्रीय जांच एजेंसी ने तलब किया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक को इससे पहले 2 नवंबर और 21 दिसंबर को तलब किया था। केजरीवाल ने दोनों ही मौकों पर ईडी के समन को अवैध बताते हुए पेश होने से इनकार कर दिया था।

अब तो टूट गए हो, इतना दावा क्यों; महाराष्ट्र में उद्धव सेना के दावे पर बोली कांग्रेस, भाजपा से कब मुकाबला

नई दिल्ली। भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी राज्यवार रणनीति बना रही है और सीटों पर भी मंथन चल रहा है। वहीं उसके मुकाबले को बने INDIA अलायंस में अभी आपसी मतभेद ही दूर नहीं हो पा रहे हैं। अब महाराष्ट्र में सीट बंटवारे की चर्चा से पहले ही कांग्रेस और शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट में भिड़ंत शुरू हो गई है। उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने 23 सीटों पर लड़ने का दावा किया है, जिन पर 2019 में उसने उम्मीदवार उतारे थे और 18 पर जीत हासिल की थी। वहीं कांग्रेस का कहना है कि सीटों का बंटवारा मेरिट के आधार पर होना चाहिए। यही नहीं कांग्रेस उद्धव गुट को यह भी याद दिला रही है अब आप टूट गए हैं और शिवसेना के दो खेमे हैं।

उद्धव सेना ने जिन 23 सीटों पर दावा ठोका है, उनमें से ज्यादातर मुंबई क्षेत्र में ही हैं। उसका कहना है कि 2019 में जो जिस सीट पर लड़ा था, वहीं से कैंडिडेट उतारे। इसके जवाब में कांग्रेस का कहना है कि अब तो शिवसेना टूट गई है और पहले से काफी कमजोर है। कांग्रेस कह रही है कि सीटों के बंटवारे में जिताऊ फैक्टर का ध्यान रखा जाए। झंझट में फंसी ऐसी ही एक सीट दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट है। यहां से फिलहाल उद्धव गुट के अरविंद सावंत सांसद हैं। कांग्रेस चाहती है कि यहां से उसके नेता मिलिंद देवड़ा उतरें क्योंकि उनके जीतने की अच्छी संभावना है। कांग्रेस के एक नेता ने कहा, देवड़ा के जीतने की अच्छी संभावनाएं हैं। यहां बड़ी संख्या मारवाड़ी, जैन और मुसलमान हैं। सेना का यहां कोई जनाधार नहीं है। यहां से दो चुनाव अरविंद सावंत ने भाजपा के साथ मिलकर जीते थे क्योंकि जैन और मारवाड़ी समुदाय का समर्थन भाजपा के साथ रहा है। अब सेना बंट गई है और भाजपा के साझीदार रहने के तौर पर उसे यहां जो फायदा था, अब नहीं मिलेगा। ऐसे में मिलिंद देवड़ा को ही उतारा जाए। कहा जा रहा है कि इस सीट पर पेच इतना फंस गया है कि उद्धव ठाकरे ने भी कांग्रेस से बात की है और यह सीट देने में असमर्थता जताई है। वहीं कांग्रेस ने उद्धव ठाकरे को सलाह दी है कि वह सावंत को कहीं और से उतार दें। कांग्रेस इसके अलावा मुंबई उत्तर मध्य और मुंबई दक्षिण मध्य सीट पर भी दावा ठोक रही है। उद्धव गुट को मुंबई उत्तर मध्य सीट देने पर कोई आपत्ति नहीं है। यहां से फिलहाल भाजपा की पूनम महाजन सांसद हैं। हालांकि मुंबई दक्षिण मध्य सीट को लेकर मतभेद है। यहां से शिवसेना के राहुल शेवाले सांसद हैं, लेकिन अब वह एकनाथ शिंदे के साथ हैं। अब इसी को

आधार बनाते हुए कांग्रेस उद्धव गुट से कह रही है कि आप यहां से जीत नहीं सकते हैं। कांग्रेस का कहना है कि यहां दलितों की अच्छी संख्या है। इसलिए हमारे जीतने के चांस अधिक हैं।

उद्धव गुट के भाजपा संग जाने का भी खतरा, क्यों बोल रहे कांग्रेस नेता

इनके अलावा नवी मुंबई, कल्याण-डोंबिवली, भिवंडी और मीरा भयंदर सीटों को लेकर भी उद्धव गुट दावेदारी कर रहा है। हालांकि कांग्रेस के राज्य नेताओं ने हाईकमान से कहा है कि वह उद्धव गुट को ज्यादा सीटें न दे। कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि यदि भाजपा को सीटें कम पड़ीं तो उद्धव गुट उनके साथ जा सकता है। ऐसी स्थिति में उन्हें अधिक सीटें लड़ने के लिए देने का कोई फायदा नहीं है।

28 विपक्षी दलों के गठबंधन INDIA के दो घटक दलों कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच दरार और सियासी कलह खुलकर सतह पर आ गई है। नए साल के मौके पर सोमवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कांग्रेस पर तीखा हमला किया। उन्होंने टिप्पणी की, ÷कांग्रेस पंजाब में लगभग समाप्त हो गई है। माताएं अब बच्चों को भविष्य में एक सबसे छोटी लोरी सुनाएंगी - 'एक थी कांग्रेस'।

चंडीगढ़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मान ने कहा कि दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस को इतिहास में धकेल दिया गया है। जब उनसे आम आदमी पार्टी से गठबंधन करने पर कांग्रेस नेताओं की अनिच्छा पर पूछा गया तो उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, पंजाब और दिल्ली में माताएं अब बच्चों को लोरियां सुनाएंगी- एक थी कांग्रेस। हालांकि, उन्होंने कहा कि सीट बंटवारे का काम गठबंधन के नेताओं का है। उन्होंने कहा कि जब सब तय हो जाएगा, तभी इस पर वह टिप्पणी कर सकेंगे। मान ने कहा कि हमलोग देश के लिए लड़ रहे हैं, अगर संविधान बचा रहेगा, तभी सब कुछ बचा रहेगा। कांग्रेस और आप दोनों तरफ से नेताओं की बयानबाजी से पंजाब में आप और कांग्रेस के बीच चल रही तनातनी का अंत होता नहीं दिख रहा है। इससे 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले उनके गठबंधन की प्रभावशीलता पर सवालिया निशान लग गया है। पंजाब में सीटों के आवंटन को लेकर दोनों पार्टियों के बीच खींचतान ने इंडिया गठबंधन की समस्याओं को और बढ़ा दिया है। पंजाब में लोकसभा की कुल 13 सीटें हैं। बता दें कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की दिल्ली और पंजाब दोनों जगह सरकार है और दोनों ही राज्यों में कांग्रेस को हराकर सत्ता पर काबिज हुई हैं लेकिन मौजूदा समय में दोनों ही राज्यों में दोनों ही दलों को बीजेपी का मुकाबला करना है, इसलिए वे ना चाहते हुए भी इंडिया गठबंधन में सहयोगी दल हैं। पंजाब कांग्रेस के शीर्ष नेताओं का कहना है कि अगर लोकसभा चुनाव में कांग्रेस आप के साथ मिलकर चुनाव लड़ी तो राज्य से पार्टी का सफाया हो जाएगा। इसलिए पंजाब कांग्रेस के नेता आप से गठबंधन के खिलाफ हैं।

नए हिट एंड रन कानून के खिलाफ ट्रक ड्राइवरों की देशव्यापी हड़ताल, पेट्रोल की आपूर्ति बाधित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के नए हिट एंड रन कानून के विरोध में ट्रक चालकों की देशव्यापी हड़ताल मंगलवार को भी जारी है। इस कानून के विरोध में वाहन चालकों की हड़ताल का आज दूसरा दिन है। राजधानी नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश समेत कई राज्यों में हड़ताल का असर दिखाई दे रहा है। वाहन चालकों की देशव्यापी हड़ताल हिट एंड रन कानून में सजा को सख्त किए जाने को लेकर है। अधिकांश चालकों ने इसे वापस लेने की मांग की है। आंदोलनकारियों ने मुंबई से लेकर इंदौर, दिल्ली-हरियाणा और यूपी के कई जगहों पर ट्रकों को खड़ा कर सड़क जाम कर दिया। ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल के कारण पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें देखने को मिली। दरअसल, नए कानून के तहत अगर कोई बस, ट्रक और डंपर चालक किसी को कुचल कर भागता है,

टेक्नोलॉजी से बदल रहा है देश, गरीबों को मिल रहा है हक : गिरिराज सिंह

बेगूसराय। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश द्वारा मनरेगा को लेकर उठाए गए सवाल पर बड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस एक परिवार को मजबूत करने में लगी हुई है। कांग्रेस को यह बिलकुल नहीं पसंद है कि कोई भी ऐसे टेक्नोलॉजी का प्रयोग हो जो ट्रांसपेरेंसी और एकाउंटेबिलिटी लाये। इन लोगों ने डिजिटल पेमेंट टेक्नोलॉजी का मजाक बनाया, जीएसटी का विरोध किया, डीबीटी का सहयोग नहीं किया और अब मनरेगा में ट्रांसपेरेंसी का विरोध कर रहे है। उन्होंने कहा कि जयराम रमेश जी यह सब अब नहीं चलेगा। टेक्नोलॉजी से देश में सुधार लाएंगे और गरीबों को उनका हक भी दिलायेंगे। मनरेगा के तहत तकनीक का उपयोग करके पूर्व की सरकार में चल रहे सारे गड़बड़ घोटाले को समाप्त करने की दिशा में हमारी सरकार ने बहुत प्रयास किया है और उसके अच्छे परिणाम अभी दिख रहे हैं। इसी दिशा में आधार पर आधारित भुगतान की व्यवस्था को मनरेगा के तहत लागू किया गया है। जिसका उद्देश्य है किसी भी हितग्राही का खाता हितग्राही को बदलना पड़ रहा है, फिर भी इसके भुगतान में किसी तरह की दिक्कत नहीं आए, जिससे उनको कभी भी बैंक या ग्राम पंचायत कार्यालय का बार-बार चक्कर नहीं लगाना पड़े। गिरिराज सिंह ने कहा कि आधार आधारित भुगतान व्यवस्था का सबसे बड़ा लाभ यह है कि अगर हितग्राही अपना बैंक खाता किसी कारण से बदलता भी है तो उसको भुगतान की प्राप्ति में किसी तरह की परेशानी नहीं आएगी। 99 प्रतिशत से अधिक मजदूरी भुगतान सीधे लाभार्थियों के बैंक या डाकघर खाते में किया जा रहा है। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं रिमोट सेंसिंग से लेकर आईटी सक्षम प्रौद्योगिकी तक विभिन्न प्रौद्योगिकियों के उपयोग ने महात्मा गांधी नरेगा योजना के कार्यान्वयन में परिवर्तन लाया है। अब नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम (एनएमएमएस) ऐप की मदद से कार्यस्थल पर काम करने वाले लाभार्थियों की वास्तविक समय उपस्थिति दर्ज की जा रही है। उल्लेखनीय है कि कल कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा था कि नए साल में प्रधानमंत्री ने देश के सबसे गरीब परिवारों को करूर तोहफा दिया है। मनरेगा के तहत काम करके बुनियादी आय प्राप्त करने वाले करोड़ों ग़रीबों से उनका अधिकार छीन लिया गया है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस उनके इस तोहफे की निंदा करती है।

किसी भी राष्ट्र को दिशा देने में विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि किसी भी राष्ट्र को दिशा देने में विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मोदी ने तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली स्थित भारतीदासन विश्वविद्यालय के 38वें दीक्षांत समारोह में कहा कि दीक्षांत समारोह में यहां आना मेरे लिए विशेष है। यह 2024 में मेरी पहली सार्वजनिक बातचीत है। मैं तमिलनाडु के खूबसूरत राज्य और युवा लोगों के बीच आकर खुश हूं। मैं ऐसा करने वाला पहला प्रधानमंत्री हूं जिसे दीक्षांत समारोह में यहां आने का सौभाग्य मिला है। मैं उन छात्रों और उनके अभिभावकों को बधाई देता हूं जो आज यहां से स्नातक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा देश और सभ्यता हमेशा ज्ञान के इर्द-गिर्द केंद्रित रही है। कुछ प्राचीन विश्वविद्यालय जैसे कि नालंदा और तक्षशिला प्रसिद्ध हैं। इसी तरह कांचीपुरम जैसे स्थानों में भी महान विश्वविद्यालय होने का उल्लेख मिलता है। गंगईकोंडा चोलपुरम और मदुरै भी शिक्षा के महान केंद्र थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आप जो विज्ञान सीखते हैं, वह आपके गांव के किसान की मदद कर सकता है, जो तकनीक आप सीखते हैं, वह जटिल समस्याओं को हल करने में मदद कर सकती है। जो व्यवसाय प्रबंधन आप सीखते हैं,

वह व्यवसाय चलाने में मदद कर सकता है और दूसरों के लिए आय वृद्धि सुनिश्चित कर सकता है। जो अर्थशास्त्र आप सीखते हैं, वह गरीबी को कम करने में मदद कर सकता है। एक तरह से, यहां का प्रत्येक स्नातक 2047 तक एक विकसित भारत बनाने में योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने महत्वपूर्ण अर्थव्यवस्थाओं के साथ कई व्यापार समझौते भी किए हैं। ये सौदे हमारी वस्तुओं और सेवाओं के लिए नए बाजार खोलेंगे। वे हमारे युवाओं के लिए अनगिनत नए अवसर भी पैदा करेंगे। चाहे वह जी20 जैसे संस्थानों को मजबूत करना हो, जलवायु परिवर्तन से लड़ना हो, वैश्विक आपूर्ति शृंखला में बड़ी भूमिका निभाते हुए भारत का हर वैश्विक समाधान के एक हिस्से के रूप में स्वागत किया जा रहा है। कई मायनों में स्थानीय और वैश्विक कारकों के कारण यह भारत में युवा होने का सबसे अच्छा समय है। प्रधानमंत्री ने युवाओं से कहा कि आप ऐसे समय में दुनिया में कदम रख रहे हैं जब हर क्षेत्र में हर कोई आपकी ओर एक नई आशा के साथ देख रहा है। युवा का अर्थ है ऊर्जा। इसका अर्थ है गति, कौशल और पैमाने के साथ काम करने की क्षमता। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हवाई अड्डों की संख्या 74 से दोगुनी होकर लगभग 150 हो गई है।

पीएम मोदी ने तमिलनाडु को 20,140 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात दी

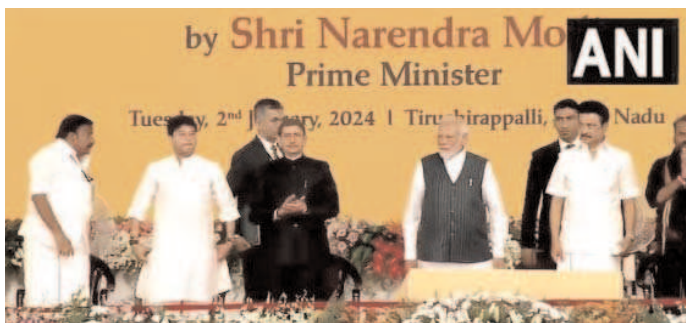

तिरुचिरापल्ली। तमिलनाडु में प्रधानमंत्री मोदी ने 20,140 करोड़ रुपए की लागत से 20 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा मैं कामना करता हूं कि वर्ष 2024 सभी के लिए शांतिपूर्ण और समृद्ध हो। यह सौभाग्य की बात है कि 2024 में मेरा पहला सार्वजनिक कार्यक्रम तमिलनाडु में हो रहा है। आज लगभग 20,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं शुरू की जाएंगी।तमिलनाडु की प्रगति को मजबूत करें। मैं आपको इन परियोजनाओं के लिए बधाई देता हूं।

हम पैनल और निलंबन को नहीं मानते; ऐक्शन हुआ पर WFI में बृजभूषण खेमा अब भी दिखा रहा तेवर

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ को लेकर जारी विवाद फिलहाल थमता नजर नहीं आ र रहा है। अब निलंबित हो चुके महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने साफ कर दिया है कि वह केंद्र सरकार की तरफ से गठित समिति और निलंबन को नहीं मानते हैं। इतना ही नहीं उन्होंने खुद ही नेशनल चैम्पियनशिप आयोजित करने का दावा कर दिया है। खबर है कि इसे लेकर बैठकों का दौर शुरू होने जा रहा है। सिंह ने पीटीआई से कहा, हमारा चुनाव लोकतांत्रिक ढंग से हुआ है। निर्वाचन अधिकारी ने कागजों पर दस्तखत किए जिसे वे कैसे अनदेखा कर सकते है। हम इस तदर्थ समिति को नहीं मानते। सिंह WFI के पूर्व अध्यक्ष और विवादों में घिरे सांसद बृजभूषण शरण सिंह के काफी करीबी मान जाते हैं। सिंह के चुनाव जीतते ही पहलवानों ने फिर विरोध दर्ज कराया था। यह पूछने पर कि राष्ट्रीय चैम्पियनशिप कैसे

होगी, उन्होंने कहा, हम इस निलंबन को नहीं मानते। डब्ल्यूएफआई अच्छे से काम कर रही है। तदर्थ समिति राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का आयोजन कैसे करेगी अगर हमारे प्रदेश संघ टीमें ही नहीं भेजेंगे। हम जल्दी ही अपनी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का आयोजन करेंगे। हम जल्दी ही कार्यकारी समिति की बैठक बुलायेंगे। इसका नोटिस एक या दो दिन में भेज दिया जाएगा। उन्होंने कहा, हमने मंत्रालय को स्पष्टीकरण भेजा था कि हमने नियमों का उल्लंघन नहीं किया है। हम अभी भी जवाब का इंतजार कर रहे हैं। हम एक या दो दिन और इंतजार करेंगे। अगर वे हमसे बातचीत नहीं करना चाहते, तो हमें भी उनकी बात सुनने में दिलचस्पी नहीं है। हमारा महासंघ इस निलंबन को नहीं मानता है। WFI के चुनाव के तीन दिन बाद ही मंत्रालय ने महासंघ को निलंबित कर दिया। सरकार के अनुरोध पर भारतीय ओलंपिक संघ ने तीन सदस्यीय पैनल का गठन किया जिसके अध्यक्ष भूपेंदर सिंह बाजवा होंगे। समिति के अन्य सदस्यों में पूर्व हॉकी खिलाड़ी एम एम सोमाया और पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी मंजूषा कंवर हैं। समिति ने सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप दो से पांच फरवरी को जयपुर में कराने का ऐलान किया है।

कल्पना सोरेन क्यों नहीं बन सकतीं झारखंड की सीएम हाईकोर्ट के इस फैसले से समझें क्या है राह में रोड़ा ?

नई दिल्ली। झारखंड की सत्ताधारी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक सरफराज अहमद की विधायकी छोड़ने से इस बात की चर्चा जोरों पर है कि राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अब अपनी पत्नी कल्पना सोरेन को मुख्यमंत्री बना सकते हैं, क्योंकि उन पर गिरफ्तारी की तलवार लटकने लगी है। दरअसल, ईडी की तरफ से उन्हें सातवीं और आखिरी बार समन मिला है, जिसकी आखिरी मियाद भी खत्म हो चुकी है। इस घटनाक्रम से झारखंड के सियासी गलियारों में यह चर्चा गरम है कि ईडी से गिरफ्तारी होने की दशा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पद से इस्तीफा देकर पत्नी कल्पना सोरेन को मुख्यमंत्री बना सकते हैं। बीजेपी के गोड्डा सांसद निशिकांत दूबे ने भी ट्वीट कर इसका संदेह जताया है लेकिन कल्पना के सीएम बनने की राह में कई रोड़े हैं।

पति की सीट से नहीं लड़ सकतीं चुनाव

दरअसल, कल्पना सोरेन झारखंड विधानसभा की सदस्य नहीं हैं। ऐसे में अगर वह मुख्यमंत्री बनाई जाती हैं तो उन्हें छह महीने के अंदर विधानसभा की सदस्यता लेनी होगी। उनके पति हेमंत सोरेन फिलहाल बरहेट विधान सभा सीट से विधायक हैं, जो अनुसूचित जनजाति के

लिए आरक्षित है। कल्पना सोरेन पड़ोसी राज्य ओडिशा के मयूरभंज की रहने वाली हैं और आदिवासी नहीं हैं। इसलिए वह पति द्वारा सीट छोड़े जाने के बावजूद बरहेट सीट पर चुनाव नहीं लड़ सकती हैं।

गांडेय जेएमएम का गढ़, पांच बार मिली है जीत

इसीलिए, माना जा रहा है कि उनके लिए एक अनारक्षित सीट खाली करवाई गई है। विधायकी छोड़ने वाले सरफराज अहमद गांडेय अनारक्षित सीट से विधायक थे। यह सीट जेएमएम का गढ़ रहा है। यह आदिवासी और मुस्लिम बहुल इलाका है। यहां से 1985, 1990, 2000, 2005 और 2019 में कुल पांच बार जेएमएम की जीत हो चुकी है। सरफराज अहमद भी यहां से दो बार विधायकी का चुनाव जीत चुके हैं। 2019 में अहमद ने यहां 8855 वोटों के अंतर से बीजेपी उम्मीदवार को हराया था। ऐसे में यहां उपचुनाव में कल्पना सोरेन की जीत आसानी से हो सकती है।

सीट छोड़ने का इनाम, राज्यसभा की सदस्यता

झारखंड के राजनीतिक गलियारों में ये भी चर्चा है कि गांडेय सीट छोड़ने वाले सरफराज अहमद को त्याग का इनाम भी दिया जा सकता है। चर्चा है कि फरवरी-मार्च में होने वाले द्विवार्षिक राज्यसभा चुनावों में पार्टी उन्हें संसद भेज सकती है। सरफराज अहमद वरिष्ठ राजनेता हैं। वह कांग्रेस में भी रह चुके हैं। संयुक्त बिहार में वह गांडेय सीट से कांग्रेस का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

राह में रोड़ा कहां?

बरहाल, कल्पना सोरेन की मुश्किल यहीं खत्म नहीं होती। उनकी राह में सबसे बड़ा रोड़ा बॉम्बे हाई कोर्ट का वह आदेश है, जिसमें कहा गया था कि अगर चुनाव होने में एक साल या उससे कम समय शेष हो तो उप चुनाव नहीं कराए जा सकते हैं। महाराष्ट्र की काटोल विधानसभा सीट पर उप चुनाव को लेकर दायर अर्जी पर हाई कोर्ट ने 2019 में यह आदेश दिया था। वहां चुनाव होने में एक साल 50 दिन का समय शेष था। झारखंड विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने में भी अब एक साल का वक्त रह गया है। ऐसे में अगर उप चुनाव की घोषणा होती है और चुनाव की तारीखों का ऐलान होता है तो इस मुद्दे को कोर्ट में घसीटा जा सकता है।

प्रचंड शीत लहर के बावजूद कश्मीर में पानी की समस्या से जूझ रहे लोग

श्रीनगर । कश्मीर में प्रचंड शीतलहर चलने के बावजूद यहां पानी की समस्या से लोग जूझ रहे हैं। यहां पर मंगलवार को भी तीव्र शीत लहर जारी रही और लगातार शुष्क मौसम के कारण स्थानीय लोग परेशान हैं। जानकार बता रहे हैं ?कि बर्फबारी नहीं होने के कारण, आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना है जिससे कश्मीरियों को पानी की चिंता सताने लगी है। कश्मीर की सभी नदियाँ, झीलें, झरने और कुएँ अच्छी सर्दियों की बर्फबारी पर निर्भर हैं जो पहाड़ों में बारहमासी जल भंडारों को भर देती हैं। कम बर्फबारी का मतलब है ?कि गर्मियों के दौरान विभिन्न जल निकायों में पानी की कमी बन रही है। मौसम विभाग ने अगले पांच से छह दिन में मौसम में किसी बड़े बदलाव से इनकार कर ?दिया है। गौरतलब है कि घाटी के अधिकांश बारहमासी जल भंडार कठोर सर्दियों की 40 दिनों की लंबी अवधि के दौरान भर जाते हैं, जिसे चिल्लई कलां के नाम से जाना जाता है, जो 21 दिसंबर को शुरू होता है और 30 जनवरी को समाप्त होता है। मंगलवार को श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 4.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि गुलमर्ग और पहलगाम में यह क्रमशः शून्य से चार डिग्री और शून्य से 6.2 डिग्री सेल्सियस नीचे था। लद्दाख के लेह शहर में न्यूनतम तापमान शून्य से 10.9 डिग्री सेल्सियस नीचे, कारगिल में शून्य से 9.9 डिग्री और द्रास में 13.7 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। जम्मू शहर में रात का न्यूनतम तापमान 7.7 डिग्री सेल्सियस, कटरा में 5.1 डिग्री सेल्सियस, बटोटे में 2.7 डिग्री सेल्सियस, भद्रवाह में 0.4 डिग्री सेल्सियस और बनिहाल में 2.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

अर्जुन अवार्डी डीएसपी दलबीर सिंह की गोली मारकर हत्या

जालंधर । जालंधर के संगरूर में तैनात डीएसपी दलबीर सिंह देओल की गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार अर्जुन अवार्ड से सम्मानित डीएसपी की लाश सोमवार को बस्ती बावा खेल नहर के पास सड़क पर पड़ी मिली। बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले जालंधर के ही एक गांव में डीएसपी दलबीर की कुछ लोगों के साथ लड़ाई हो गई थी। इस दौरान इन्होंने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली चला दी थी। लेकिन अगले ही दिन गांव वालों के साथ उनकी सुलह भी हो गई थी। इस मामले में एडीसीपी बलविंदर सिंह रंधावा ने बताया कि हमें किसी ने फोन करके सूचना दी थी कि बस्ती बावा खेल के पास किसी की लाश पड़ी हुई है। हमारी टीम घटनास्थल पर पहुंची तो पता चला कि लाश डीएसपी दलबीर सिंह की है, जो कि संगरूर में तैनात थे। उनके सिर पर भी गहरी चोट लगी हुई थी। पंजाब पुलिस शुरुआत में इसे सड़क हादसा मान रही थी लेकिन पोस्टमॉर्टम में डीएसपी की गर्दन में फंसी हुई गोली मिली है। घटना के बाद से डीएसपी की सर्विस पिस्टल भी नदारत है। डीएसपी के दोस्तों के मुताबिक 31 दिसंबर की रात को उन्होंने नये साल की पार्टी के बाद डीएसपी को बस स्टैंड के पीछे छोड़ दिया था। घटना के समय डीएसपी के साथ उनके गार्ड मौजूद नहीं थे। पंजाब पुलिस बस स्टैंड के आसपास की सीसीटीवी फुटेज छान रही है। मामले में डीएसपी के घर वालों से भी पूछताछ की जा रही है। ताकि डीएसपी की मौत से संबंधित कोई सुराग मिल सके। मृतक डीएसपी के भाई रंजीत सिंह का कहना है कि हमें पुलिस ने दलबीर की लाश मिलने की सूचना दी। उनके सिर पर चोट लगी है। मामला हत्या का लग रहा है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

नववर्ष के दौरान बिहार में शराबबंदी कानून की उड़ी धज्जियां, खुलेआम बिकी शराब

पटना । नए साल के मौके पर बिहार में शराबबंदी कानून की खुलेआम धज्जियां उड़ाई गईं। सीतामढ़ी के पटेल नगर चौक में एक बुजुर्ग स?जी के ठेले पर दारू बेचता हुआ नजर आया। इसका वीडियो वायरल होते ही पुलिस मौके पर पहुंच आरोपित को दबोच लिया। पुलिस का कहना है कि वह खुद विक्षि?त किर?म का है। इससे साफ होता हैं कि बिहार में शराबबंदी कानून की अब खुलेआम धज्जियां उड़ाई जाने लगी है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मामले में उस व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की दलील है कि वह खुद शराब के नशे में टल्ली था। यह व्यक्ति ठेले पर शराब लेकर जहां घूमता हुआ नजर आ रहा है। खरीदने के लिए लोग मोलभाव भी कर रहे हैं। ठेले पर दिख रही शराब की बोतलें नेपाली सौंफी शराब की पैकिंग वाली है। पूछताछ एवं जांच के बाद पता चला कि वह व्यक्ति बैरगनिया नगर के पाठक टोला का रहने वाला है। उसका नाम अशोक कुमार गुप्ता है तथा विक्षिप्त किस्म का है। पूछताछ के बाद से न्यायिक हिरासत भेज दिया गया है। लोगों के अनुसार, नववर्ष के मौके पर आम लोग जश्न मनाने के लिए पिकनिक स्पॉट व मठ-मंदिरों में जाने की तैयारी में लगे थे। इसी बीच नगर के पटेल चौक पर एक होटल के सामने वह सब्जी बेचने वाला ठेले पर शराब की बोतलें सजाकर घूम रहा था, लोग खरीद भी रहे थे। इस तरह बीच सड़क पर खुलेआम शराब की बिक्री होता देख लोगों ने वीडियो बनाना और फोटो खींचना शुरू किया। अपने फेसबुक अकाउंट पर प्रसारित करने लगे। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि आने-जाने वाले लोग पैसे देकर शराब खरीद भी रहे हैं। यह खबर स्थानीय पुलिस को मिली तो वह तुरंत हरकत में आ गई। शराब बिक्री करने वाले व्यक्ति को जाकर पकड़ लिया।

कोरोना वेरिएंट जेएन.1 को लेकर आई अच्छी खबर

नई दिल्ली । देश में कोविड 19 केसों में अगले 7 से 10 दिनों में कमी आनी शुरू हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि ओमिक्रॉन के सब वेरिएंट जेएन.1 के कारण गंभीर बीमारी नहीं हो रही है। रोजाना केसों की संख्या भी नियंत्रण में है। इसके बाद कहा जा सकता है कि अगले कुछ दिनों में केस कम होना शुरू हो जाएंगे और ऐसा कुछ जगहों पर देखने में भी आ रहा है। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. निशांत नागपाल का कहना है कि अब केसों के बहुत तेजी से बढ़ने की संभावना बहुत ही कम है। त्यौहारी सीजन भी करीब-करीब बीत चुका है। उनका कहना है कि आने वाले कुछ दिनों में चीजें सामान्य होती नजर आएगी। हालांकि ठंड के कारण होने वाला सीजनल फ्लू चलता रहेगा लेकिन कोविड के मामले कम होने शुरु हो सकते है। उनका कहना है कि लोगों को सावधानी जरूर बरतनी चाहिए। अगर जुकाम-खांसी है, तब भीड़भाड़ वाली जगह में न जाएं, साथ ही मास्क लगाकर रखें। उन्होंने कहा कि केसों का जिस तरह का ट्रेंड देखने को मिल रहा है, उस देखकर कहा जा सकता है कि कोविड केस ज्यादा स्पीड से नहीं बढ़ने वाले हैं। देश में कोरोना संक्रमण के 636 नए मामले सामने आए हैं और पिछले 24 घंटे में केरल में दो और तमिलनाडु में एक मरीज की संक्रमण से मौत हो गई। देश में 19 मई को संक्रमण के 865 नए मामले सामने आए थे। पिछले हफ्ते एक दिन 841 केस आए थे। केरल में कुछ जगहों पर केस कम होने लगे हैं।

आईआईटी-बीएचयू की छात्रा से गैंगरेप मामला : तीनों आरोपियों के घर पसरा सन्नाटा

-कभी रहती थी नेताओं की भीड़

वाराणसी । वाराणसी में आईआईटी-बीएचयू की छात्रा से गैंगरेप के तीनों आरोपियों पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। पुलिस तीनों पर गैंगस्टर के तहत कार्रवाई कर सकती है। साथ ही मुकदमा फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने की अपील भी कर सकती है। इस बीच आरोपियों के बारे में नई जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि कैंट से भाजपा विधायक सौरभ श्रीवास्तव की सिफारिश पर आरोपियों को पार्टी संगठन में अहम जिम्मेदारी मिली थी। इतना ही नहीं विधायक सहित दूसरे नेताओं का आरोपियों के घर आना-जाना रहता था। इसकारण इलाके में उनका दबदबा बढ़ रहा था। बीजेपी के तमाम नेताओं संग आरोपियों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। आरोपी अभिषेक चौहान के आवास पर भी लगातार कैंट विधायक का आना-जाना रहता था। अभिषेक पार्टी के लिए सदस्यता अभियान भी चलाता था, जिसकी जानकारी खुद वहां के निवासियों ने दी है। विधायक की पैरवी पर ही आरोपी कुणाल पांडेय को आईटी सेल का महानगर संयोजक बनाया गया था। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि कैंट विधायक अभिषेक के घर आते थे।

औवेसी पर बरसे गिरिराज सिंह, लगाया भारत को तोड़ने का आरोप, बोले- पूरे देश में भगवान राम का डीएनए है

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के असदुद्दीन ओवैसी ने मुस्लिम युवाओं से केंद्र द्वारा की जा रही गतिविधियों से सावधान रहने की अपील की और कहा था कि देश भर में मस्जिदें आबाद रहनी चाहिए, जिस पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। इसको लेकर भाजपा के फायर फ्रेंड नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पलटवार किया है। गिरिराज सिंह ने कहा कि औवैसी भारत को तोड़ना चाहते हैं, युवाओं को भड़का रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पूरे देश में भगवान राम का डीएनए है... हम सब उनकी संतान हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि 1000 वर्षों तक सनातन धर्म और हिंदुओं को प्रताड़ित किया गया... ये समय हिंदुओं के पुनर्जागरण का है। 22 जनवरी को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक से कुछ दिन पहले, असदुद्दीन ओवैसी ने बाबरी मस्जिद के संदर्भ में कहा कि वह स्थान जहां पिछले 500 वर्षों से पवित्र कुरान का पाठ किया गया था, वह अब उनके हाथ में नहीं है। ओवैसी के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, ओवैसी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि हैदराबाद के सांसद वही कर रहे हैं जो वह सबसे अच्छा करते हैं - 'राम मंदिर के अभिषेक को सांप्रदायिक बनाना'।

उन्होंने कहा कि 2020 में, सचिवालय के निर्माण के लिए हैदराबाद में दो मस्जिदों, मस्जिद-ए-मोहम्मदी और मस्जिद-ए-हाशमी को ध्वस्त कर दिया गया था, लेकिन शहर से सांसद ओवैसी ने एक शब्द भी नहीं कहा। भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि मीडिया भले ही असदुद्दीन ओवैसी पर ध्यान दे, लेकिन उनका अपना समुदाय नहीं देता। अयोध्या के राम मंदिर का अभिषेक समारोह 16 जनवरी से शुरू होकर सात दिनों तक चलेगा। अंतिम दिन, 22 जनवरी को सुबह की पूजा के बाद, दोपहर में 'मृगशिरा नक्षत्र' में राम लला के विग्रह का अभिषेक किया जाएगा।

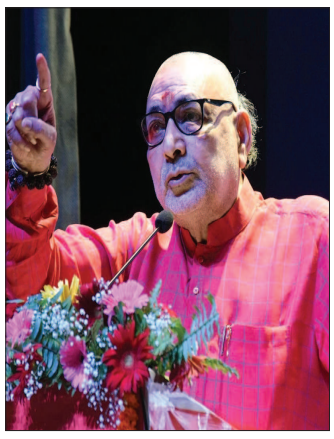

'अबकी बार 400 पार, तीसरी बार मोदी सरकार', लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने तैयार किया नया नारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा अपनी तैयारी में जुटी हुई है। इसको लेकर भाजपा ने अपना नया नारा भी तैयार कर लिया है। इस बार के चुनाव में भाजपा 'अबकी बार 400 पार, तीसरी बार मोदी सरकार' का नारा देगी। इतना ही नहीं, जानकारी के मुताबिक भाजपा ने राज्य, लोकसभा और विधानसभा स्तर पर संयोजक और सहसंयोजक भी तय कर लिए हैं। भाजपा इस बार के चुनाव में महिला वोटर और युवाओं पर फोकस करेगी। ऐसे मतदाताओं को भी साधने की कोशिश में रहेगी जो की पहली बार वोट डालने जाएंगे। बीजेपी सोशल मीडिया अभियान में भी तेजी लाएगी। खबर यह भी है कि जल्दी पूरे भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा होगा। साथ ही साथ गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी अलग-अलग समय पर देश के अलग-अलग हिस्सों का दौरा करेंगे। 22 जनवरी के बाद प्रधानमंत्री का यह दौर लगातार जारी रहेगा। आज दिल्ली में भाजपा के नेताओं की बड़ी बैठक हुई है। इसी बैठक में इस नारे को गढ़ा गया है।

अभी भी 9330 करोड़ रुपये के 2000 के नोट दबाकर बैठे हैं लोग : आरबीआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि देश में अभी भी 9330 करोड़ रूपये मूल्य के 2 हजार के नोट दबाकर लोग बैठे हुए हैं। जाहिर है कि आरबीआई द्वारा देश में 2000 रुपये के गुलाबी नोटों करीब 8 महीने पहले सर्कुलेशन से बाहर किया गया था, लेकिन अब तक मार्केट में मौजूद 100 फीसदी नोटों की वापसी नहीं हो सकी है। आरबीआई द्वारा इन 2000 रुपये के नोटों को लेकर अपडेट जारी किया गया है और इन आंकड़ों के मुताबिक, अभी भी देश में लोग 9,330 करोड़ रुपये मूल्य के गुलाबी नोट दबाए बैठे हैं। आरबीआई ने साल 2024 की पहले दिन सर्कुलेशन से बाहर किए गए 2000 रुपये के नोटों को लेकर अपडेट जारी करते हुए बताया कि बंद किए जाने के बाद से अब तक 97.38 फीसदी नोटों की वापसी हो चुकी है। बीते साल 19 मई 2023 को मार्केट में कुल 3.56 लाख करोड़ की मूल्य के 2,000 रुपये के नोट सर्कुलेशन में मौजूद थे, जबकि 29 दिसंबर 2023 को ये आंकड़ा घटकर सिर्फ 9,330 करोड़ रुपये रह गया है। इस हिसाब से देखें तो दिसंबर के आखिर तक भी 2.62 फीसदी नोट सर्कुलेशन में थे। दरअसल रिजर्व बैंक ने क्लीन नोट पॉलिसी के तहत 19 मई 2023 को देश के सर्कुलेशन में मौजूद सबसे ज्यादा मूल्य के इस 2000 रुपये के नोट को वापस लेने के आदेश दिए थे। इसके बाद केंद्रीय बैंक ने स्थानीय बैंकों और 19 आरबीआई क्षेत्रीय कार्यालयों में इन नोटों को वापस करने और बदलवाने के लिए 23 मई से लेकर 30 सितंबर 2023 तक का समय दिया था। हालांकि, इसके बाद इस डेडलाइन को 7 अक्टूबर 2023 के लिए आगे बढ़ाया गया था। इस तारीख के बाद जो 2000 के नोट बचे थे उनके लिए आरबीआई ने 8 अक्टूबर 2023 से रिजर्व बैंक के ऑफिसों में बदलवाने की सुविधा को जारी रखी है। यही नहीं केंद्रीय बैंक ने साफ किया है कि सर्कुलेशन से बाहर किए गए ये 2000 रुपये के गुलाबी नोट लीगल टेंडर हैं और 19 आरबीआई कार्यालयों जो कि अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में हैं, उनमें जाने के अलावा जनता अपने नजदीकी किसी भी डाकघर के जरिए इंडिया पोस्ट के माध्यम से भी ये नोट जमा करा सकते हैं।

केंद्रीय विदेश मंत्री जयशंकर ने चीन पर सरदार पटेल और नेहरु की नीति में बताया अंतर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया है कि भारत को चीन के साथ यथार्थवाद के आधार पर निपटना चाहिए। इस मौके पर उन्होंने चीन के साथ नेहरूवादी युग की रूमानियत पर हमला किया।

केंद्रीय विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, सरदार पटेल से लेकर नरेंद्र मोदी तक सभी का रास्ता है, मुझे लगता है कि यथार्थवाद का यही रास्ता हमें एक निश्चित दृष्टिकोण की ओर ले जाता है। विदेश मंत्री ने चीन पर व्यावहारिक दृष्टिकोण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'मैं कहूंगा कि मोदी सरकार बहुत अधिक और यथार्थवाद के अनुरूप रही है, जो सरदार पटेल से उत्पन्न हुई थी।

भारत के पहले केंद्रीय गृह मंत्री सरदार पटेल और पहले प्रधानमंत्री नेहरू के दृष्टिकोण में अंतर बताकर जयशंकर ने दोनों दिग्गजों के बीच मतभेद पर प्रकाश डाला। जयशंकर ने नेहरू और सरदार पटेल के

यथार्थवादी दृष्टिकोण के बीच अंतर समझाकर कहा, उदाहरण के लिए जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सीट की बात आई, तब हमें बिल्कुल वह सीट लेनी चाहिए थी। खैर वह एक अलग बहस है, लेकिन यह कहना कि हमें पहले चीन को (सुरक्षा परिषद में) जाने देना चाहिए, चीन का हित पहले आना चाहिए, यह एक बहुत ही अजीब बयान है।

नेहरू के कार्यकाल की शुरुआत में चीन और भारत के बीच अच्छी दोस्ती थी। हालांकि भारत को 1962 में उस समय एक बड़ा झटका लगा जब चीन ने हमला कर दिया। चीन के आक्रमण ने नई दिल्ली में निर्णय लेने वालों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि चीन नीति पर दुबारा से विचार होना चाहिए।

क्या 2024 में भारत और चीन के बीच मतभेद खत्म हो पाएंगे? इस सवाल के जबाव में जयशंकर ने कहा, ताली बजाने के लिए दो हाथों की जरूरत होती है। मैं इस मुद्दे को इस तरह से देखता हूं कि अगर आप हमारी विदेश नीति के पिछले 75 से अधिक वर्षों को देखें, तब उसमें चीन के बारे में यथार्थवाद का जोर है और आदर्शवाद, रूमानियत, गैर-यथार्थवाद का तनाव है। यह शुरुआती दिनों से ही शुरू हो जाता है, जब नेहरू और सरदार पटेल के बीच इस बात को लेकर गहरा मतभेद था कि चीन को कैसे जवाब दिया जाए।

ईडी के एक्शन से डरे सोरेन ने आज बुलाई विधायक दल की बैठक

-पत्नी को सीएम पद की जिम्मेदारी सौंप सकते हैं

रांची (एजेंसी)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को विधायक दल की बैठक बुलाई है। 3 जनवरी 2024 को 04.30 बजे मुख्यमंत्री आवास (पुराना) के सभागार में यह मीटिंग होगी। माना जा रहा है कि बुधवार को सीएम सोरेन अपनी पत्नी कल्पना को मुख्यमंत्री पद की कमान सौंप सकते हैं।

दरअसल, सीएम सोरेन पर भूमि घोटाला मामले में ईडी शिकंजा और ज्यादा कसने के संकेत मिले हैं। यही वजह है कि उन्होंने विधायक दल की बैठक एक दिन बाद यानी कल बुलाई है। इस बीच गिरिडीह के गांडेय से जेएमएम विधायक सरफराज अहमद ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि विधायक दल की बैठक में सहमति बनी तब सोरेन अपनी पत्नी को कल्पना सोरेन को सीएम पद की जिम्मेदारी सौंप सकते हैं।

दूसरी ओर झारखंड में जारी सियासी चर्चाओं के बीच बीजेपी नेता बाबूलाल मरांडी ने सोरेन सरकार पर निशाने पर लेकर लिखा है कि झारखंड में भी बिहार की तरह जंगल राज है। प्रदेश में फिर से जेएमएम के नेता पुराने दौर को दोहराने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने चारा घोटालेबाज लालू प्रसाद का जिक्र करते हुए कहा है कि जब उनके सारे पैंतरे फेल हो गए तब राबड़ी देवी को खडाऊं मुख्यमंत्री बनाकर वह जेल चले गए। अब सीएम हेमंत सोरेन ईडी द्वारा गिरफ्तारी की आशंका और जेल जाने के डर से पत्नी को सीएम बनाना चाहते हैं।

बिहार सरकार को सुप्रीम कोर्ट का निर्देश, जाति आधारित सर्वे के आंकड़े सार्वजनिक हों

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार राज्य द्वारा किए गए जाति-आधारित सर्वेक्षण की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली कई जनहित याचिकाओं (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए सवाल उठाया कि सरकार किस हद तक सर्वेक्षण डेटा के ऊपर रोक लगा सकती है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की खंडपीठ वर्तमान में बिहार सरकार के फैसले को बरकरार रखने के लिए 2 अगस्त को दिए गए पटना उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ गैर-सरकारी संगठनों यूथ फॉर इक्वेलिटी और एक सोच एक प्रयास और अन्य द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। जाति आधारित सर्वेक्षण करना। विशेष रूप से अदालत ने पक्षों को विस्तार से सुनने से पहले जाति सर्वेक्षण डेटा को प्रकाशित करने या उस पर कार्रवाई करने से राज्य को रोकने के लिए स्थगन या यथास्थिति का कोई भी आदेश पारित करने से लगातार इनकार कर दिया है।

पीठ ने आज पक्षों के वकील से कहा कि कानूनी मुद्दे, यानी उच्च न्यायालय के फैसले की सत्यता की जांच करनी होगी। इस दौरान जो सर्वे रिपोर्ट प्रकाशित हुई है, उसे दाखिल करने को कहा गया। वरिष्ठ अधिवक्ता राजू रामचंद्रन ने अदालत से अगले सप्ताह अंतरिम राहत के लिए याचिकाकर्ताओं की प्रार्थना पर सुनवाई करने का आग्रह करते हुए कहा कि जनगणना रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर रखने के बाद हम अंतरिम राहत के लिए बहस करना चाहते हैं। तात्कालिकता यह है कि रिपोर्ट को लागू किया जा रहा है, और आरक्षण दिया जा रहा है। इसे पटना उच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती दी गई है। चूंकि चीजें तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

बिहार सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि सर्वेक्षण सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है। न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि अगर यह पूरी तरह से उपलब्ध है, तो यह एक अलग मामला है। लोगों को किसी विशेष निष्कर्ष को चुनौती देने की अनुमति देने के लिए डेटा का बेक-अप आम तौर पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने स्थगन आदेश जारी करने पर भी आपत्ति जतानी शुरू कर दी।

ममता और भतीजे अभिषेक के बीच बढ़ी कलह, वरिष्ठ और युवा नेताओं के बीच जंग

-वरिष्ठ नेता युवाओं पर कंस रहे तंज

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति मेंओल्ड गार्ड बनाम यंग ब्रिगेड का झगड़ा खूब चर्चा में है। टीएमसी की इस कलह पर विपक्ष हमलावार दिख रही है। टीएमसी में यह बहस तेज हो गई है, कि पार्टी के सीनियर नेताओं को युवाओं को पॉलिटिक्स में आने के लिए जगह देना चाह?ए। चूंकि पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी अनुभवी नेताओं का समर्थन कर रही हैं। जबकि भतीजे और पार्टी महासचिव अभि?षेक बनर्जी बड़े नेताओं को रि?टायरमेंट देने के पक्ष में खड़े हो गए हैं।

बंगाल की 27 साल पुरानी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में पुराने बनाम नए पीढ़ी के नेताओं के मसले पर बहस और विवाद बढ़ गया है। इस बीच, पार्टी महासचिव अभिषेक ने सुप्रीमो ममता बनर्जी से मुलाकात की है। दोनों नेताओं के बीच क्या बातचीत

हुई, यह अभी तक सामने नहीं आया है, लेकिन विपक्षी दल लगातार इस आतंरिक कलह पर तंज कस रहे हैं। ममता अनुभवी नेताओं को साथ लेना चाहती हैं, जबकि अभिषेक का तर्क है कि अब युवाओं को मौका मिलाना चाहिए।

दरअसल, टीएमसी के 27वें स्थापना दिवस समारोह के बीच पार्टी के वरिष्ठ नेता और युवा पदाधिकारियों के कामकाज को लेकर कटाक्ष किया गया था। इस बीच, सूत्रों ने बताया कि ममता ने अभिषेक बनर्जी से मुलाकात की। दोनों नेताओं की मीटिंग को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि यह बैठक करीब दो घंटे तक चली। ममता के आवास पर परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे।

अभिषेक के करीबी नेता ने कहा, वे पार्टी सुप्रीमो से मिलने गए हैं। हमें बैठक के एजेंडे की जानकारी नहीं है। पार्टी के स्थापना दिवस समारोह के बीच यह झगड़ा बढ़ गया था। वरिष्ठ नेताओं ने युवा ब्रिगेड के नेता अभिषेक पर तंज कसते हुए तीखे जवाब दिए थे।

टीएमसी पार्टी पिछले कुछ वर्षों से इस मुद्दे से जूझ रही है। मामले में पिछले महीने एक नया मोड़ आया, जब मुख्यमंत्री ने युवा नेताओं से वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान करने की अपील की। अभिषेक बनर्जी का कहना है कि राजनीति में भी रिटायरमेंट की उम्र निर्धारित होनी चाहिए। उन्होंने बढ़ती उम्र के साथ कार्य कुशलता में गिरावट आने का हवाला दिया है। वहीं, ममता दीदी ने पार्टी के सीनियर लीडर्स को उचित सम्मान देने की सलाह दी है। उन्होंने वरिष्ठ नेता को सक्रिय राजनीति से रिटायरमेंट लेने के सुझाव को भी खारिज किया है। शीर्ष नेताओं की आतंरिक कलह खुलकर सामने आने से सियासत भी गरमा गई है।

कुणाल घोष टीएमसी के प्रवक्ता भी हैं। कुणाल ने दिसंबर में सत्ता संघर्ष की अफवाहों पर कहा था कि पार्टी के पुराने और नई पीढ़ी के नेताओं के बीच कोई संघर्ष नहीं है। उन्होंने पार्टी में ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी दोनों की जरूरत पर जोर दिया था। यह विवाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर पुराने नेताओं और युवा पीढ़ी के बीच दो साल पुराने आंतरिक संघर्ष को दर्शाता है।

विदेशों के तर्ज पर भारत में भी अपराध के दंड में सामाजिक सेवा की व्यवस्था

नई दिल्ली (एजेंसी)। हम विदेशों में किसी अपराध के दंड में सामाजिक सेवा करने की बातें सुनते रहे हैं, लेकिन अब ऐसा भारत में भी होगा। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की जगह लेने जा रहे नए कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में खास तरह के अपराधों के लिए कम्यूनिटी सर्विस का दंड देने की व्यवस्था है। चोरी के अपराध के लिए भी कुछ शर्तों के साथ सामुदायिक सेवा का प्रावधान किया गया है।

बीएनएस में चोर साबित हुए अपराधी के लिए कठोर दंड की जगह कम्यूनिटी सर्विस की सजा पाने की तीन शर्तें रखी गई हैं। पहला ये कि उसे पहली बार चोरी का दोषी ठहराया गया हो। दूसरा, चोरी की गई संपत्ति का मूल्य 5,000 रुपये से कम हो। तीसरा, वह चोरी की संपत्ति वापस करेगा या फिर उसकी कीमत का भुगतान करेगा।

चोरी के अलावा कई अन्य अपराधों के लिए भी सामुदायिक सेवा की सजा दी जा सकती है। इनमें धारा 84 के तहत समन पर अदालत में गैर-मौजूदगी, अवैध व्यापार में सरकारी कर्मी की संलिप्तता, सरकारी कर्मी को उसकी वैध शक्ति के प्रयोग से रोकने के लिए आत्महत्या का प्रयास, नशे में धुत होकर सार्वजनिक तौर पर हो-हंगामा और मानहानि शामिल जैसे अपराध भी शामिल हैं।

सामुदायिक सेवा के पीछे की अवधारणा अपराधियों को समाज की मुख्यधारा से दूर धकेलना नहीं बल्कि आरोपी को सजा देने के बजाय उस अपने गुनाह का अहसास करवाना है। बीएनएस में स्पष्ट कर दिया गया है कि इसका मकसद समुदाय का हित है जिसके लिए दोषी को कोई पारिश्रमिक नहीं मिलेगा। हालांकि, मानहानि के लिए सामुदायिक सेवा मानहानि के छोटे मामलों तक सीमित है जहां वैकल्पिक सजा दो साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों है। मानहानिकारक सामग्री को छापने या बेचने के दोषी लोग सामुदायिक सेवा के पात्र नहीं होंगे, भले ही इन अपराधों की सजा मानहानि के समान हो।

नशे में धुत व्यक्ति अगर हंगामा बरपाए तब उस 24 घंटे तक की साधारण कैद या 1,000 रुपये तक के जुर्माने के विकल्प के रूप में सामुदायिक सेवा की सजा दी जा सकती है।

इसी तरह, अवैध व्यापार में लिप्त लोक सेवक या लोक सेवक को मजबूर करने के लिए आत्महत्या का प्रयास करने वाले व्यक्ति के लिए अदालत द्वारा एक साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों के विकल्प के रूप में सामुदायिक सेवा का आदेश दिया जा सकता है।

दो विमान टकराए, लगी आग,जापान में टली बड़ी घटना, विमान के साथ तटरक्षक विमान की टक्कर, सभी 300 यात्री सुरक्षित

टोक्यो ।जापान में जोरदार भूकंप के बाद फिर एक बड़ी अनहोनी की खबर सामने आई है।जापान एयरलाइंस के एक विमान के साथ एक तटरक्षक विमान की टक्कर हो गई।जोरदार टक्कर के बाद टोक्यो के हानेडा हवाई अड्डे के रनवे पर आग लग गई।बताया जा रहा है कि उड़ान भरने वाला विमान 300 से अधिक यात्रियों को ले जा रहा था।लाइव फुटेज में विमान की खिड़कियों से आग की लपटें निकलती दिखाई दीं।जापान एयरलाइंस के प्रवक्ता ने कहा कि होक्काइडो के शिन-चिटोस हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाला विमान 300 से अधिक यात्रियों को ले जा रहा था। वीडियो में दिख रहा है कि विमान के रनवे पर उड़ान भरने के दौरान आग और धुएं का एक बड़ा विस्फोट दिखाई दिया।इसके बाद विंग के आसपास के क्षेत्र में आग लग गई।एक घंटे बाद के फुटेज में दिखाया गया कि विमान पूरी तरह से आग में घिरा हुआ था।बताया जा रहा हैं कि विमान जेएएल फ्लाइट 516 था, जो जापान के शिन चिटोस हवाईअड्डे से हनेडा के लिए उड़ान भरी थी।एयरलाइन ने कहा कि सभी 379 यात्रियों और चालक दल को निकाल लिया गया है।वहीं विमान सड़क से नीचे फिसलते ही आग की लपटों में घिर गया और अग्निशमन दल आग बुझाने की कोशिश कर रहे थे।वहीं, जापान के तट रक्षक ने कहा कि वह इस संभावना की जांच कर रहा है कि उसका एमए-722 विमान रनवे पर जेएएल उड़ान से कैसे टकराया।बता दें कि हानेडा जापान के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है और अभी के समय कई लोग नए साल की छुट्टियों में यात्रा करते हैं।

पत्रकारों से बात करने के दौरान विपक्षी नेता को चाकू से घायल किया

सियोल ।दक्षिण कोरिया के मुख्य विपक्षी नेता ली जे-म्युंग को चाकू से घायल कर दिया।जानकारी के अनुसार वह पत्रकारों से बात कर रहे थे, उसी समय हमलावर ने चाकू से वार कर ?दिया।बुसान दौरे के वक्त एक अज्ञात हमलावर ने उन पर चाकू से वार किया है।हमले में घायल हुए ली जे-म्युंग को आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण कोरिया के मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख ली जे-म्युंग पत्रकारों से बातचीत करते हुए कुछ सवालों के जवाब दे रहे थे, तभी एक हमलावर ने ली पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में उनकी गर्दन के बाईं ओर चोट लगी है।ताजा जानकारी के अनुसार, विपक्षी नेता ली जे-म्युंग पर हमला करने वाले आरोपी को घटनास्थल से गिरफ्तार कर लिया है।हालांकि, अभी ली जे-म्युंग को लगी चोट के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।हमले को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीर में देखा जा सकता है कि वह अपनी आंखें बंद कर फर्श पर लेट हुए हैं, जबकि उनके इर्द-गिर्द अधिकारियों की भीड़ खड़ी है और उनकी गर्दन पर एक कपड़ा भी रखा हुआ है।गौरतलब है कि ली ने इससे पहले बुसान के गाडेओक द्वीप पर एक निर्माणाधीन नए हवाई अड्डे की साइट का दौरा भी किया था।बता दें ?कि ली जे-म्युंग दक्षिण कोरिया के मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख भी हैं। हमलावर की उम्र 50 से 60 के बीच थी।कथित तौर पर वह ऑटोग्राफ मांगने के लिए ली के पास पहुंचा था।फिर अचानक वह चाकू मारने के लिए आगे बढ़ा। सोशल मीडिया पर घटना से जुड़ा वीडियो सामने आया है, जिसमें चाकू लगने के बाद ली को भीड़ पर और फिर जमीन पर गिरते हुए देखा गया।वहीं ली को घेरे कई लोगों ने हमलावर को तुरंत पकड़ लिया।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति का वायरल वीडियो देख भड़के लोग, जमकर हुई आलोचना

ब्यूनस आयर्स, ।अर्जेंटीना के नए राष्ट्रपति जेवियर माइली सबके सामने गर्लफ्रेंड को किस करके विवादों में घिर गए हैं।एक म्यूजिकल प्रोग्राम में उन्होंने स्टेज पर आकर सबके सामने अपनी गर्लफ्रेंड को किस करना शुरू कर दिया था।बता दें कि 53 साल के माइली की गर्लफ्रेंड का नाम फातिमा फ्लोरेज है।उन्होंने उस वक्त गोल्डन रंग की ड्रेस पहनी हुई थी।वो अपनी परफॉर्मेंस के बाद स्टेज पर आईं। जिसके बाद उनके बॉयफ्रेंड माइली भी वहीं आ गए।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति मार देल प्लाटा के रॉक्सी थियेटर में रात के करीब 9.40 बजे पहुंचे थे। उन्होंने अपने पैसों से शो का टिकट लिया, फिर स्टेज पर जाकर भाषण भी दिया था।इसके बाद वहां मौजूद लोग उस वक्त काफी हैरान रह गए, जब राष्ट्रपति अपनी गर्लफ्रेंड को किस करने लगे।पब्लिक में किस किए जाने के चलते उनकी काफी आलोचना हो रही है।इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।लोगों का कहना है कि सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति को सबके सामने इस तरह का व्यवहार नहीं करना चाहिए।एक यूजर ने कहा, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली ने अपनी गर्लफ्रेंड के साथ स्टेज पर ही ऐसा किया! क्या कोई व्यभिचारी इस तरह सार्वजनिक रूप से स्टेज पर जा सकता है? एक अन्य यूजर ने कहा, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली ने अपनी गर्लफ्रेंड फातिमा फ्लोरेज को उनके लाइव थिएटर शो के दौरान ही भावुक होकर किया किया।ये इस बात का सबूत है कि आप सरकारी बर्बादी को खत्म कर सकते हैं, साम्यवाद को नष्ट कर सकते हैं, और फिर भी आपके पास मौज-मस्ती के लिए समय होगा। हालांकि ऐसा पहली बार नहीं है, जब इस कपल ने सार्वजनिक रूप से किस किया है।इन्होंने नवंबर में हुई वोटिंग के बाद भी किस किया था।

आतंकवादियों ने छह नाईयों का अपहरण कर हत्या की

पेशावर ।पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में अज्ञात आतंकवादियों ने छह नाईयों का अपहरण कर उनकी गोली मारकर हत्या कर दी।पुलिस ने बताया कि यह घटना अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मीर अली इलाके में हुई।पुलिस ने कहा कि पीड़ित पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के थे।स्थानीय बाजार में नाई की दुकानें चलाते थे। उन्होंने कहा कि उनका एक दिन पहले अपहरण कर लिया गया और उनके शव मंगलवार को बरामद किए गए।हालांकि, किसी ने तुरंत हत्याओं की जिम्मेदारी नहीं ली।छह नाइयों की गोली मारकर हत्या करने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है। उत्तरी वजीरिस्तान की ताजा घटना तब हुई जब उसी प्रांत में अज्ञात आतंकवादियों ने पांच मजदूरों की हत्या कर दी, जब वे अपने तंबू में थे।यह वीभत्स कृत्य उस समय में हुआ है, जब प्रांत बढ़ते आतंकवाद के कारण बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति से जूझ रहा है।आतंकवादी कृत्यों में वृद्धि विशेष रूप से पूर्व आदिवासी क्षेत्र में बढ़ रही है, जिसमें सेना और पुलिस पर हमलों के साथ-साथ लक्षित हत्याएं भी शामिल हैं।हालांकि, बन्नू और डेरा इस्माइल खान के आसपास का क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुआ है।

संपर्क में रहने की अवधि बढ़ा सकती कोविड संक्रमण की संभावना को

-ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कहा

लंदन ।एक्सपोज़र के बाद सार्स-कोव-2 ट्रांसमिशन की संभावना को समझने के लिए ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इंग्लैंड और वेल्स में 70 लाख संपर्कों के साथ एनएचएस कोविड ऐप के डेटा का उपयोग किया।ताजा अध्ययन से पता चला है कि निकटता से अधिक, कोविड वाले लोगों के संपर्क में रहने की अवधि संक्रमण की संभावना को बढ़ा सकती है। अधिक दूरी पर लंबे एक्सपोज़र से नजदीकी दूरी पर कम एक्सपोज़र के समान जोखिम है। रिपोर्ट किए गए सकारात्मक परीक्षण से पुष्टि किए गए संचरण की संभावना शुरू में एक्सपोज़र की अवधि (1.1 प्रतिशत प्रति घंटा) के साथ रैखिक रूप से बढ़ी और कई दिनों तक बढ़ती रही। हालांकि अधिकांश संपर्क कम अवधि के थे, ट्रांसमिशन आमतौर पर एक घंटे से लेकर कई दिनों तक चलने वाले एक्सपोज़र के परिणामस्वरूप हुआ था।

जापान में आये भीषण भूकंप के कारण सड़कों पर दरारें पड़ गयीं। ऐसी ही एक दरार में एक कार फंस गयी।

जापान में आए भूकंप ने मचाई तबाही, भारत सहित तजाकिस्तान-म्यांमार में लगे झटके

टोक्यो ।नए साल की शुरुआत में जापान के अनेक हिस्सों में भूकंप ने तबाही मचा दी।यहां साल के पहले दिन 7.6 तीव्रता का भूकंप आया है।यह जापान में आए अब तक के सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से एक है। इसके कारण शहरों की सड़कों में दरारे आ गई, खंबे उखड़ गए और जनजीवन बेपटरी हो गया।हालांकि इसके साथ ही भारत व तजाकिस्तान-म्यांमार में भी भूकंप के तेज झटके महसूस ?किए गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटों में जापान में 4.0 से अधिक तीव्रता के 56 भूकंप आए हैं। हलांकि जापान के भूकंप के साथ-साथ पिछले 24 घंटों में भारत के भी कई हिस्सों में भूकंप आ चुका है। सोमवार देर रात को भी उ?तर भारत समेत अलग-अलग जगहों पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की तरफ से इसकी जानकारी दी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, नागालैंड में शाम के वव?त भूकंप दर्ज किया गया।यहां शाम 7 बजकर 18 बजे वोखा क्षेत्र में 2.8 की तीव्रता का भूकंप आया, जोकि जमीन से 5 किलोमीटर की गहराई पर था। वहीं देर रात 10 बजकर 15 मिनट 29 सेकेंड पर लद्दाख में भी भूकंप आया। इस भूकंप की तीव्रता 3.6 दर्ज की गई। यह जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर आया।इसके अलावा असम के धुबरी में भी देर रात 11 बजकर 23 मिनट पर 2.6 की तीव्रता का भूकंप आया है।इसकी गहराई जमीन से 10 किमी थी। पिछले 24 घंटों में भारत के आसपास भूटान में 2.7 की तीव्रता का भूकंप आया।तजाकिस्तान में 4.4 की तीव्रता का भूकंप तथा म्यांमार 4.3 की तीव्रता का भूकंप आया।इन सभी भूकंप के बाद किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

चीन-अमेरिकी द्विपक्षीय संबंधों का जिम्मेदारी से प्रबंधन करने को लेकर प्रतिबद्ध : बाइडन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने सोमवार को चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को आश्वासन दिया कि वह दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों का पूरी जिम्मेदारी के साथ प्रबंधन करने और उन्हें आगे बढ़ाने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। शी चिनफिंग और जो बाइडन ने सोमवार को चीन-अमेरिका के बीच राजनयिक संबंधों की 45वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक-दूसरे को बधाई दी। दोनों राष्ट्रपतियों ने सेन फ्रांसिस्को में एपीईसी शिखर सम्मेलन के मौके पर मुलाकात की थी और दुनिया की शीर्ष दो अर्थव्यवस्थाओं के बीच बढ़ते तनाव को कम करने पर सहमति जताई थी। बाइडन ने इस अवसर पर चिनफिंग को भेजे अपने संदेश में कहा कि 1979 में राजनयिक संबंधों की शुरुआत के बाद से अमेरिका और चीन के बीच संबंधों ने दोनों देशों तथा दुनिया के लिए समृद्धि और अवसरों को सुविधाजनक बनाया है।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के

मुताबिक बाइडन ने कहा कि वह दोनों देशों के इस महत्वपूर्ण रिश्ते को जिम्मेदारी से प्रबंधित करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने की दिशा में वह दोनों नेताओं के पूर्ववर्तियों द्वारा की गई प्रगति और दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच कई बैठकों और चर्चाओं के आधार पर अमेरिका-चीन संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। इस दौरान शी ने अमेरिका से नवंबर में अपने शिखर सम्मेलन के परिणामों को ''ईमानदारी से लागू'' करने का आग्रह किया है। शी ने अपने संदेश में कहा कि चीन और अमेरिका के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के इतिहास में एक अहम घटना है।

'शिन्हुआ' के मुताबिक शी ने कहा कि पिछले 45 वर्षों में चीन-अमेरिका संबंध उतार-चढ़ाव से गुजरे हैं और समग्र रूप से आगे बढ़े हैं, जिससे न केवल दोनों देशों के लोगों को लाभ पहुंचा है, बल्कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को भी बढ़ावा मिला है। शिखर सम्मेलन के दौरान शी और बाइडन उच्च-स्तरीय सैन्य संचार को फिर से शुरू करने पर सहमत हुए, जो 2022 में अमेरिकी संसद की तत्कालीन स्पीकर नैंसी पेलोसी के ताइवान दौरे के बाद लगभग टूट गया था। चीन, ताइवान को अपना हिस्सा होने का दावा करता है। दोनों देशों में बढ़ी तल्खी के बीच शी और बाइडन के बीच लगभग एक साल बाद आमने-सामने की बैठक हुई थी। पिछले साल फरवरी में जब अमेरिका ने चीन पर उसके हवाई क्षेत्र में जासूसी गुब्बारा भेजने का आरोप लगाया, तो संबंधों में तल्खी और बढ़ गई थी।

हूती विद्रोहियों को सपोर्ट करने ईरान का युद्धपोत पहुंचा लाल सागर

तेहरान ।इजरायल और हमास के युद्ध का तनाव लाल सागर में देखने को मिल रहा है। यही वजह है ?कि हूती विद्रोहियों को सपोर्ट करने के ?लिए अब ईरान का युद्धपोत लाल सागर में पहुंच गया है।बता दें ?कि दुनिया के सबसे प्रमुख जलमार्गों में से एक में लगातार तनाव बढ़ रहा है।जानकारी के अनुसार ईरान का अल्बोर्ज युद्धपोत लाल सागर में प्रवेश कर गया है।यमन के हूती विद्रोही लगातार इजरायल पर मिसाइल और ड्रोन दाग रहे हैं।इसके अलावा हूती विद्रोही महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में व्यापारी जहाजों पर हमला कर रहे हैं।हूती विद्रोहियों को ईरान समर्थन देता रहता है।रविवार को हूती विद्रोहियों पर अमेरिका ने हमला किया था, जिसके बाद ईरान का युद्धपोत लाल सागर में पहुंचा है।ईरान का यह जहाज लाल सागर में तब पहुंचा जब अमेरिकी नौसेना का यूएसएस जेराल्ड फोर्ड एयर क्राफ्ट कैरियर मिडिल ईस्ट से हट रहा है।रविवार को हूती विद्रोहियों ने यमन के पास मार्सक मालवाहक जहाज पर चढ़ने की कोशिश की।हूती विद्रोही चार नावों के जरिए गोलीबारी करते हुए जहाज के करीब पहुंचे।जहाज की ओर से मदद मांगी गई, जिसे अमेरिकी नेवी के आइजनहावर कैरियर स्ट्राइक ग्रुप ने सुना।अमेरिकी नौसेना का एक हेलीकॉप्टर मदद के लिए पहुंचा।उसने हूती विद्रोहियों की 3 नाव को डुबो दिया, जिसमें कम से कम 10 विद्रोहियों की मौत मानी जा रही है।हालांकि एक नाव भागने में कामयाब रही।हालां ?कि ईरान ने लाल सागर में अलबोर्ज युद्धपोत की तैनाती का कोई विशेष कारण नहीं बताया।लेकिन यह जरूर बताया कि ईरानी सैन्य जहाज 2009 से इस क्षेत्र में काम कर रहे थे।अल्बोर्ज विध्वंसक लाल सागर के दक्षिणी सिरे पर बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य से होता हुआ, लाल सागर में प्रवेश कर गया, जो हिंद महासागर में अदन की खाड़ी से जुड़ता है।रिपोर्ट में कहा गया है कि नौसैनिक बेड़ा 2009 से शिपिंग लेन सुरक्षित करने, समुद्री डाकुओं को पीछे हटाने समेत अन्य उद्देश्यों के लिए इस क्षेत्र में है।

कार्यवाहक पीएम काकर का आरोप... बलूच विद्रोह में भारत का हाथ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर ने बलूच विद्रोह का ठीकरा भारत के सिर फोड़ दिया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बलूच विद्रोहियों को पाकिस्तान में हमले को अंजाम देने के लिए भारतीय खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) फंडिंग दे रही है। पीएम काकर ने कहा कि पाकिस्तान में करीब 90,000 लोग मारे गए, फिर भी नौ लोगों को भी दोषी नहीं ठहराया गया। उन्होंने पाकिस्तान की आपराधिक न्याय प्रणाली पर भी सवाल उठाया। पाकिस्तान इन दिनों गंभीर आंतरिक संकट से जूझ रहा है। पाकिस्तान में पिछले एक साल में रिकॉर्ड स्तर पर हिंसा देखी गई है।

पाकिस्तानी पीएम ने कहा कि बलूच लिबरेशन आर्मी, बलूच लिबरेशन फ्रंट और बलूच रिपब्लिकन आर्मी जैसे आतंकवादी संगठन हैं, जो पाकिस्तान के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि संगठनों ने 3,000-5,000 लोगों को मार डाला। काकर ने कहा कि इन संगठनों से जुड़े उग्रवादियों के अपने रिश्तेदार भी थे, जिन्होंने उनके पक्ष में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, हम विरोध करने के अधिकार को स्वीकार करते हैं लेकिन हम (बलूच) परिवारों से जुड़े लोगों के आतंकवाद के कार्यों को स्वीकार नहीं करते हैं।

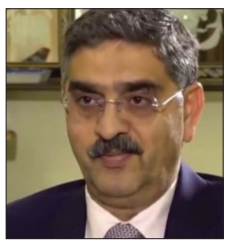

न्याय प्रणाली सही नहीं है। ये भारत से पैसे लेकर 80-90 हत्याएं करते हैं। मैं घोषणा करता हूं कि वे यह सब रॉ की फंडिंग से करते हैं। इस बात से इंकार करें कि वे ऐसा नहीं करते।

इस्लामाबाद में बलूच प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई पर बयान देकर प्रधानमंत्री काकर ने स्वीकार किया कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। हालांकि, उन्होंने कहा कि अधिकारियों पर पथराव किया गया जिसके परिणामस्वरूप पुलिस को प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करना पड़ा और पानी की बौछारें करनी पड़ीं।

पीएम काकर ने कहा, मैं उनसे पूछता हूं, क्या वे पाकिस्तान की तुलना इजरायल से कर रहे हैं? हमारा झगड़ा (लापता व्यक्तियों के) परिवारों से बिल्कुल भी नहीं है। काकर ने कहा कि कई लोगों ने सोचा था कि वे आंदोलन में शामिल होकर हीरो बन सकते हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि यह इतना आसान नहीं था।

शी जिनपिंग का कबूलनामा... चीन में आर्थिक संकट गहराया, लोगों के पास नौकरी नहीं

बीजिंग (एजेंसी)। (ईएमएस)। चीन पिछले दिनों से खराब आर्थिक हालात देख रहा है। लेकिन वह इस संकट को छिपाता रहा है। पहली बार है जब राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आर्थिक संकट की बात कबूल की है। उन्होंने कहा कि चीन के बिजनेस संघर्ष कर रहे हैं और नौकरी चाहने वालों को काम खोजने में समस्या हो रही है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस बात को कबूल किया। शी जिनपिंग 2013 से लगातार नए साल का संदेश दे रहे हैं। लेकिन यह पहली बार है, जब उन्होंने आर्थिक चुनौतियों का जिक्र किया।

चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। जिनपिंग का बयान घटती डिमांड, बढ़ती बेरोजगारी और पस्त व्यावसायिक विश्वास के बीच आया है। जिनपिंग ने चीन के सामने आने वाली मुश्किलों को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, कुछ उद्यमों के लिए यह साल मुश्किल था। कुछ लोगों को नौकरी ढूंढने और बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में कठिनाई हुई।

शी के बोलने से कुछ घंटे पहले राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) ने अपना मासिक क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) सर्वेक्षण प्रकाशित किया। एनबीएस के बयान के मुताबिक आधिकारिक मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई नवंबर महीने में 49.4 था जो दिसंबर में घटकर 49 पहुंच गया। पीएमआई का 50 से ऊपर होना विस्तार को दिखाता है।

दुनिया की फैक्ट्री का हाल खराब

चीन को दुनिया की फैक्ट्री कहा जाता है। साल 2023 इसके लिए अच्छा नहीं रहा। 2023 में चीन का विनिर्माण क्षेत्र अधिकांश समय तक कमजोर रहा। चीन की अर्थव्यवस्था इस साल कई समस्याओं से जूझ रही है, जिसमें लंबे समय तक प्रॉपर्टी में मंदी, रिकॉर्ड युवा बेरोजगारी, कमजोर कीमतें और स्थानीय सरकारों पर बढ़ता वित्तीय तनाव शामिल है। चीन लगातार हालातों को सुधारने की कोशिश में जुटा है। इसके लिए उसने कई कदम उठाए।

सेवानिवृत्त अमेरिकी सेना जनरल का बयान... पुतिन चाहते हैं कि ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। सेवानिवृत्त अमेरिकी सेना जनरल बैरी मैककैफ्रे ने कहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन चाहते हैं कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 2024 का राष्ट्रपति चुनाव जीतें, क्योंकि पुतिन का मानना है कि 'ट्रंप का उत्पीड़न राजनीति से प्रेरित है, जो अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था कि खामियों को दिखाता है। क्रेमलिन में पुतिन के कैंसर से पीड़ित होने की अफवाह है और वह मॉस्को के बाहरी इलाके में एक दूर की हवेली से गुप्त रूप से काम कर रहे हैं और कुछ का कहना है कि वह जॉर्जिया में हैं।

इस महीने की शुरुआत में, डरहम में रैली में, पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प ने पुतिन का हवाला दिया, जिन्होंने कथित तौर पर उन कई आपराधिक आरोपों की आलोचना की थी, जिनका ट्रंप सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा था, पुतिन कहते हैं कि बाइडेन का अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी का राजनीति से प्रेरित उत्पीड़न रूस के लिए बहुत अच्छा है, क्योंकि यह अमेरिकी

राजनीतिक प्रणाली की सड़न को दर्शाता है, जो दूसरों को लोकतंत्र के बारे में सिखाने का दिखावा नहीं कर सकता है। पुतिन ने यह टिप्पणी इस साल सितंबर के अंत में पूर्वी रूस में एक आर्थिक मंच के दौरान की थी। इस बीच, रिपोर्टों में कहा गया है कि पूर्व राष्ट्रपति के 2016 के कार्यकाल के बाद से ट्रंप और पुतिन के बीच संबंधों की आलोचना की गई है, जब रूस के कथित चुनाव हस्तक्षेप और ट्रम्प अभियान के साथ संभावित समन्वय के सवाल उठे थे। एक साक्षात्कार के दौरान मैककैफ्रे ने कहा, मैं ट्रम्प और पुतिन के बीच के इस पूरे रिश्ते को कभी नहीं समझ पाया। पुतिन एक ठग, हत्यारा है, उसने रूसी संघ को आर्थिक, राजनीतिक रूप से भयानक संकट में डाल दिया है।

सेवानिवृत्त जनरल ने कहा, हां, पुतिन और इस मामले में उत्तर कोरियाई जैसे अन्य नेता सक्रिय रूप से ट्रम्प के पद पर वापस आने की उम्मीद कर रहे हैं, जहां मेरी व्यक्तिगत राय में, वह अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए विनाशकारी होगा। कुछ मीडिया रिपोर्टों में सुझाव दिया गया है कि चीन, ईरान, उत्तर कोरिया और रूस जैसे अमेरिका के कट्टर दुश्मन बाइडेन प्रशासन के खिलाफ गलत जानकारी या प्रचार फैलाने और ट्रम्प की प्रशंसा करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करके 2024 के चुनावों को बाधित करने या प्रभावित करने की साजिश में थे।

नेतन्याहू सरकार को झटका : विवादित कानून खारिज

तेल अवीव ।इजराइल के सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार द्वारा पारित विवादित कानून को खारिज किया है। इस कानून से कोर्ट की शक्तियां कम कर दी गई थी और कानून के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन हुआ था।2023 में नेतन्याहू सरकार द्वारा पारित कानून को पलटने का सुप्रीम कोर्ट का फैसला महीनों की उथल-पुथल के बाद आया है। जुलाई 2023 में, सरकार ने कानून पारित किया था जिसे आलोचकों ने देश की न्यायिक प्रणाली कमजोर करने वाला बताया था। नए कानून ने इजराइल में अनुचित माने जाने वाले सरकारी फैसलों को रद्द करने की सर्वोच्च न्यायालय और निचली अदालतों की शक्ति को हटा दिया था।

पाकिस्तान में कर्ज चुकाने के लिए बेटियां को बेंच रहे किसान

-10 साल की बेटी का 40 साल के अधेड़ से निकाह

कराची (एजेंसी)। 8 फरवरी 2024 को पाकिस्तान में चुनाव होने हैं। लेकिन हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि यहां महंगाई बढ़ रही है, वहीं दूसरी मौसम की मार की वजह से किसान कर्ज के बोझ तले दबते जा रहे हैं। इसके बाद मजबूरी में खुद को जिंदा रखने के लिए ये लोग अपनी मासूम बेटियों को बेचने का काम कर रहे हैं, ताकि खुद को कर्ज के बोझ से बचा सकें। पाकिस्तान में गरीबी का आलम यह है कि 10-12 साल की बच्चियों की शादी 40-50 साल के अधेड़ों से कराई जा रही है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान इलाके के लोगों से बातचीत में उनके दर्द को साफ-साफ महसूस किया जा सकता है। 10 साल के एक बच्ची के पिता का कहना है कि उसने अपनी बेटी की शादी 40 साल के अधेड़ से इसकारण करवा दी ताकि वह कर्ज चुका सके। शादी के बदले अधेड़ ने किसान को काफी पैसे दिए। किसान का कहना है कि मौसम की मार की वजह से खेतों की हालत खराब हो गई। इसके बाद कर्ज लेना पड़ा, लेकिन कर्ज को चुकाने के लिए कोई बंदोबस्त नहीं हुआ। मजबूरी में बेटियों को निकाह के नाम पर बेचना पड़ा। हालांकि, यह मामला इकलौता नहीं है।

दरअसल, पाकिस्तान के बलूचिस्तान इलाके में पिछले साल काफी ज्यादा बारिश हुई थी, जिससे बाढ़ भी आया। ये इलाका पूरी तरह से मुल्क से कट गया था। किसानों की खेती योग्य जमीन भी बह गई। एक साल बाद यहां की हालत और खराब हो गई। पाकिस्तानी अधिकारियों की मानें तब इस साल कम उम्र में निकाह के 13 फीसदी मामले बढ़ गए हैं। वहीं सर्वे के मुताबिक, कम उम्र में हुई शादी के कारण स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति पर भी असर पड़ा है। ऐसा कहा जाता है कि 5वीं कक्षा में जाते ही बच्चियों का रोका (इंगेजमेंट) कर दिया जाता है या फिर उनकी शादी कर दी जाती है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान इलाके में भले

ही किसानों की जमीनें बह गईं, जिससे वे खेती नहीं कर पा रहे हैं, लेकिन इससे अलग पूरे पाकिस्तान में बढ़ती महंगाई की वजह से त्राहिमाम मचा हुआ है। खाने-पीने से जुड़े सामान इतने महंगे हो चुके हैं कि लोगों के लिए खरीदना मुश्किल है।

संपादकीय

साधु - सन्त कौन ?

विपदाएं, परेशानियां, कठिनाइयां आदि आती रहती हैं उनका सामना करते करते मानव दुखी हो जाता है। सकारात्मक उर्जा नहीं मिलने के कारण व्यक्ति थक जाता है। ऐसे में आध्यात्म ज्ञान हमें वो मानसिकता संतुष्टि एवं शक्ति प्रदान करता है । जिससे सबसे पहले हमारा मन हमारे काबू में हो जाता है इसका नतीजा यह होता है कि हमारी इच्छाएं सीमित हो जाती है । जैसे-जैसे हम आध्यात्मिक ज्ञान को समझते जाते हैं वैसे वैसे मन में सकारात्मक विचारों का और शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होना प्रारंभ हो जाता है । इससे हमारी इच्छाएं अपने आप ही सीमित रह जाती है क्योंकि जिंदगी में आधे मुसीबतों की जड़ हमारी बेवजह की इच्छाएं ही होती हैं । अध्यात्म में वो शक्ति है जो हारे हुए जीवन को जीत में बदल देता है । अध्यात्म के बहुत सारे अंग हैं योग प्राणायाम, ध्यान आदि के माध्यम से व्यक्ति अपने आपको भीतर से मजबूत बना सकता है। जो व्यक्ति अपने जीवन में आध्यात्म के सार को समझ लेता है वह जीवन में किसी भी स्थिति -परिस्थिति में सुखी और प्रसन्न रहता है। जो संसार में चिन्तारहित हैं । जो मानव अनासक्त है । जो जीता है बाहर पर रहता है भीतर वह साधु है । यह अध्यात्म का सार हैं । संसार में सबसे सुखी कौन ? सभी जन उत्तर सुन हैरान थे ।धनवान आदि भी दंग रह गये थे । जब भगवान बोलें-सुखी वह है है जिसमें टेंशन नहीं हैं ।सबने पूछा इसका कारण तो कारण का ये निवारण करते हुए भगवान ने फरमाया की जो अपनी इच्छा का सीमाकरण करे ।वह संतोष धन कमाते हैं।सुखी मन से अपना शान्त जीवन जीते हैं । अहिंसा परमोधर्म = जीवानाम् परस्परोपगहों । ये ही धर्म का मर्म हैं ।सबका समझे दर्द ।सभी आत्मतुल्य हैं । सबका जीवन अमूल्य हैं ।अनावश्यक इच्छा का अन्त करना हैं । उसका रिजल्ट हमारे सामने संसार में होते हुए भी संसार से विरक्त साधु - सन्त है । मैत्री का संदेश , न हो ईर्ष्या, न प्रतिस्पर्धा, सबमें बसे सन्त , सबको मिलें समान चादर ।सब दिखें राही प्रसन्न । फिर से संतोष और शान्ति का कल्पवृक्ष यौगलिक जीवन का समय जिसकी छत्रछाया में पलें बढ़े अध्यात्म ।

साधु - सन्त वे होते हैं जिन्होंने पाँच महाव्रत रूपी अमूल्य हीरों को प्राप्त कर लिया हैं ।यह ऐसे अदभुत हीरे है जिन्हें किसी भी कीमत में नहीं खरीदा जा सकता है ।इस संसार की नश्वरता को समझ कर संयम साधना में संलग्न हो साधु जीवन से कर्मों की निर्जरा करते हुए 15 भव के अन्दर - अन्दर मोक्ष के मार्ग को जो प्रशस्त कर रहे है वे ही साधु होते है ।

प्रदीप छजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

बुध और शुक्र पर संभावित जीवन के संकेत

मुकुल व्यास

पारलौकिक जीवन की खोज कर रहे वैज्ञानिकों का ध्यान अब बुध और शुक्र की तरफ गया है। उन्होंने बुध के उत्तरी ध्रुव के पास लवणयुक्त ग्लेशियरों की खोज की है, जिससे यह संभावना बढ़ गई है कि सूर्य का निकटतम ग्रह जीवन की मेजबानी करने में सक्षम हो सकता है। दूसरी तरफ, वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में पाया गया है कि शुक्र पर कभी टेक्टोनिक प्लेट में वैसी ही हलचल हुई होगी जैसी प्रारंभिक पृथ्वी पर हुई थी। यह खोज शुक्र पर प्रारंभिक जीवन की संभावना की तरफ इशारा करती है। बुध सौरमंडल का सबसे छोटा ग्रह है। इस ग्रह के लवणीय ग्लेशियरों में जीवन के चरम रूपों के लिए सही परिस्थितियां हो सकती हैं। दरअसल, नए निष्कर्ष नासा के मैसेंजर रोबोटिक यान द्वारा किए गए पिछले अवलोकनों पर आधारित हैं। मैसेंजर ने 2011 और 2015 के बीच बुध की रासायनिक संरचना, चुंबकीय क्षेत्र और भौगोलिक विशेषताओं का अध्ययन किया था। नई खोज का ब्योरा द प्लैनेटरी साइंस पत्रिका में दिया गया है। एरिज़ोना स्थित ग्रह-विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक और अध्ययन के प्रमुख लेखक एलेक्सिस रोड्रिग्ज ने कहा, हाल के एक शोध से पता चला था कि प्लूटो में नाइट्रोजन के ग्लेशियर हैं। नई खोज इसी शोध का विस्तार है। इन शोधों के नतीजों से स्पष्ट है कि हमारे सौरमंडल के सबसे गर्म से लेकर सबसे ठंडे क्षेत्रों तक ग्लेशियर पाए जाते हैं। बुध के रेडिटलाडी और एमिनेस्कु क्रेटर में पाए जाने वाले ये ग्लेशियर पृथ्वी जैसे हिमखंडों की तरह नहीं हैं। इसके बजाय, वे लवण के प्रवाह हैं जो बुध की सतह के नीचे वाष्पशील यौगिकों को जकड़े हुए हैं। भूविज्ञान की दृष्टि से वाष्पशील पदार्थ वे रसायन हैं जो किसी ग्रह पर आसानी से वाष्पित हो जाते हैं, जैसे पानी, कार्बन डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन। क्षुद्रग्रहों के प्रहारों ने बुध के विचित्र लवण खंडों को उजागर किया है। इस प्रक्रिया में सतह के नीचे फंसा हुआ पदार्थ भी उजागर हो गया। यही वजह है कि विज्ञानियों ने इन्हें क्रेटरों में खोजा। सूर्य से निकटता के कारण बुध पर ग्लेशियरों का पाया जाना सचमुच आश्चर्यजनक है। यह ग्रह पृथ्वी की तुलना में सूरज से 2.5 गुना अधिक निकट है। उस छोटी सी दूरी पर चीजें बहुत अधिक गर्म होती हैं। अध्ययन के सह-लेखक ब्रायन ट्रैविस के अनुसार लवण के ये प्रवाह एक अरब वर्षों से अधिक तक अपने वाष्पशील पदार्थों को संरक्षित कर सकते हैं। हालांकि बुध का लवण भंडार विशिष्ट हिमखंडों या आर्कटिक ग्लेशियरों के अनुरूप नहीं है, पृथ्वी पर भी लवणीय वातावरण मौजूद है। इसलिए भूविज्ञानियों को इस बात का अच्छा अंदाजा है कि ये किस तरह के वातावरण हैं और क्या वहां जीवन उभर सकता है। रोड्रिग्ज ने कहा, पृथ्वी पर विशिष्ट लवण यौगिक कुछ सबसे कठोर वातावरणों में भी रहने योग्य स्थान बनाते हैं। चिली में अटाकामा का शुष्क रेगिस्तान इसका उदाहरण है। सोच की यह दिशा हमें बुध पर सतह के नीचे के क्षेत्रों पर विचार करने के लिए प्रेरित करती है। ये क्षेत्र ग्रह की कठोर सतह की तुलना में अधिक अनुकूल हो सकते हैं। दरअसल, सूर्य की तीव्र किरणों के बावजूद बुध की सतह के नीचे जकड़े हुए वाष्पशील पदार्थ भूमिगत जीवन को बनाए रखने में सक्षम हो सकते हैं। पानी जैसे वाष्पशील पदार्थ जीवन के लिए आवश्यक हैं। यदि बुध पर जीवन हो सकता है, तो बुध जैसे बाहरी ग्रह उन विज्ञानियों के लिए अधिक आकर्षक हो सकते हैं जो पारलौकिक जीवन की तलाश कर रहे हैं। बुध की सतह के नीचे वास्तव में क्या छिपा हुआ है, इस पर प्रकाश डालने के लिए अभी और अध्ययन की आवश्यकता है। सौरमंडल में हमारा सबसे करीबी पड़ोसी शुक्र ग्रह एक झुलसा देने वाली बंजर भूमि है। पृथ्वी की तरह शुक्र की आयु करीब 4.5 अरब वर्ष है। उसका आकार और द्रव्यमान भी लगभग पृथ्वी के बराबर है। शायद इसी वजह से उसे पृथ्वी का जुड़वां ग्रह भी कहा जाता है। नेचर एस्ट्रोनॉमी पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में ब्राउन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं और अन्य वैज्ञानिकों की एक टीम ने शुक्र ग्रह के वायुमंडलीय डेटा और कंप्यूटर मॉडलिंग का उपयोग करके यह दर्शाया है कि ग्रह के वर्तमान वायुमंडल की संरचना और सतह का दबाव केवल प्लेट टेक्टोनिक्स के प्रारंभिक रूप के परिणामस्वरूप ही संभव हो पाए होंगे। प्लेट टेक्टोनिक्स जीवन के लिए महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। दरअसल, प्लेट टेक्टोनिक्स सिद्धांत के अनुसार पृथ्वी की ऊपरी परत (लिथोस्फीयर) कई बड़े शिलाखंडों अथवा प्लेटों में विभाजित है जो पृथ्वी के नरम मध्य भाग

(कोर) के ऊपर चट्टानी आंतरिक परत (मेंटल) पर सरकती हैं। ये प्लेटें पृथ्वी के लैंडस्केप को नया आकार देने के लिए लगातार चलती रहती हैं। पृथ्वी पर प्लेट टेक्टोनिक्स की प्रक्रिया अरबों वर्षों में तीव्र हुई, जिससे नए महाद्वीपों और पहाड़ों का निर्माण हुआ। इस प्रक्रिया के कारण उत्पन्न रासायनिक क्रियाओं की वजह से ही हमारे ग्रह की सतह का तापमान स्थिर हुआ जिससे जीवन के विकास के लिए अधिक अनुकूल वातावरण तैयार हुआ। दूसरी ओर, शुक्र विपरीत दिशा में चला गया। आज उसकी सतह का तापमान इतना गर्म है कि सीसा पिघल सकता है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि शुक्र पर हमेशा ऐसा नहीं होता था। शुक्र के वायुमंडल में मौजूद नाइट्रोजन और कार्बन डाइऑक्साइड की प्रचुरता को ध्यान में रखते हुए उन्होंने निष्कर्ष निकाला है कि लगभग 4.5 अरब से 3.5 अरब साल पहले ग्रह के निर्माण के कुछ समय बाद शुक्र पर प्लेट टेक्टोनिक्स रही होगी। शोध पत्र से पता चलता है कि यह प्रारंभिक टेक्टॉनिक हलचल पृथ्वी की तरह प्लेटों के हिलने की संख्या और उनके खिसकने की मात्रा के संदर्भ में सीमित रही होगी। यह पृथ्वी और शुक्र पर भी एक साथ घटित हो रहा होगा। अध्ययन के प्रमुख लेखक मैट वेलर ने कहा कि इस शोध से बड़ी तस्वीर यह उभरती है कि सौरमंडल में एक ही समय में प्लेट टेक्टोनिक के अंतर्गत संचालित होने वाले दो ग्रह थे। टेक्टोनिक्स का वही रूप था जो पृथ्वी जैसे जीवन को संभव बनाता है। नया अध्ययन प्राचीन शुक्र पर सूक्ष्मजीवी जीवन की संभावना को बढ़ाता है और यह दर्शाता है कि अतीत में किसी बिंदु पर पृथ्वी और शुक्र ज्यादा समान रहे होंगे। नासा का आगामी दाविंची मिशन शुक्र के वायुमंडल में गैसों को मापेगा। इससे नए अध्ययन के निष्कर्षों को मजबूत करने में मदद मिल सकती है। इस बीच, शोधकर्ता इस बात की जांच करेंगे कि शुक्र पर आखिरकार प्लेट टेक्टोनिक्स का क्या हुआ? शोधकर्ताओं का मानना है कि शुक्र अंततः बहुत गर्म हो गया और इसका वातावरण बहुत घना हो गया, जिससे टेक्टोनिक हलचल के लिए आवश्यक तत्व खत्म हो गए। शुक्र पर यह सब कैसे घटित हुआ, इसका विवरण पृथ्वी के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ निर्णायक जंग अभी बाकी

लाउडस्पीकरों पर कार्रवाई/ पंकज चतुर्वेदी

मध्य प्रदेश की नई सरकार के गठन के बाद विभिन्न धार्मिक स्थलों से अभी तक करीब 28 हजार ध्वनि विस्तारक यंत्र यानी लाउडस्पीकर उतारे जा चुके हैं, वहीं हजारों लाउडस्पीकरों की आवाज भी कम करवा दी गई है। यह कदम महज बेवजह के शोर के खिलाफ ही नहीं है, यह धर्म-सम्मत भी है और पर्यावरण संरक्षण के लिए अनिवार्य भी। हालांकि समय-समय पर अदालतें इस बारे निर्देश देती रही हैं लेकिन पहले उत्तर प्रदेश और अब मध्य प्रदेश सरकार की प्रबल इच्छा शक्ति से इस दिशा में ठोस फैसले लागू किये। फिर भी यह ध्वनि प्रदूषण के बढ़ते खतरे के बीच कोई निर्णायक जंग नहीं है। नए साल की रात में ही देश के छोटे से कस्बे से लेकर महानगर तक डीजे, कार में संगीत और आतिशबाजी ने करीब एक घंटे शोर कर कानूनों को बुरी तरह ठेंगा दिखाया। अभी भी सड़कों पर जुलूस या फिर विवाह आदि की आड़ में कानफोडू डीजे बजाने पर पाबंदी नहीं है।एक बात समझानी होगी कि ध्वनि से उत्पन्न पर्यावरण-संकट किसी भी स्तर पर वायु प्रदूषण से होने वाले नुकसान से कम नहीं है। यह शारीरिक और मानसिक दोनों किस्म के विकार का जनक है। इंसान के कानों की संरचना कुछ ऐसी है कि वे एक निश्चित सीमा के बाद ध्वनि की तीव्रता को सह नहीं सकते। जानवर और पशु-पक्षी तो इस मामले में और अधिक संवेदनशील हैं। आवाज़ की तीव्रता को मापने की इकाई 'डेसीबल', है। हमारे कानों के लिए 45 डेसीबल से अधिक की आवाज खतरनाक है। एक फुसफुसाहट लगभग 30 डीबी है, सामान्य बातचीत लगभग 60 डीबी, और मोटरसाइकिल इंजन का चलना लगभग 95 डीबी है। लंबे समय तक 70 डीबी से ऊपर का शोर आपकी सुनने की क्षमता को नुकसान पहुंचाना शुरू कर सकता है। वहीं 120 डीबी से अधिक तेज़ शोर आपके कानों को तत्काल नुकसान पहुंचा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था-आप किसी शोर को सुनना चाहते हैं या नहीं, यह तय करने का आपको पूरा अधिकार है लेकिन सड़क पर चीखते-चिल्लाते लोगों या साझा तिपहिया में बजते कानफोडू स्टीरियो आदि को इस आदेश की कतई परवाह नहीं।ध्वनि प्रदूषण से हमारे सुनने का तंत्र तो क्षतिग्रस्त होता ही है, हमारी धमनियों के सिकुड़ने का भी खतरा होता है। अनिद्रा, एसिडिटी, अवसाद, हाई बीपी, चिड़चिड़ापन तो होता ही है। जर्मनी के ड्रेस्डन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के आंद्रियास सिडलर ने शोध में बताया कि यातायात के शोरगुल से हृदयाघात का खतरा बढ़ जाता है। कुछ साल पहले जबलपुर हाईकोर्ट ने जीवन में शोर के दखल पर गंभीर फैसला सुनाया था, जिसके तहत त्योहारों में सार्वजनिक मार्ग पर लाउडस्पीकरों को प्रतिबंधित कर दिया था। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अजय माणिकराव खानविलकर व जस्टिस शांतनु केमकर की डिवीजन बेंच ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद आदेश किया था कि त्योहार या सामाजिक कार्यक्रम के नाम पर अत्यधिक शोर मचाकर आम जनजीवन को प्रभावित करना अनुचित है। हाईकोर्ट ने मध्यप्रदेश कोलाहल निवारण अधिनियम-1985 की धारा-13 को असंवैधानिक करार दिया। हाईकोर्ट ने आदेश में

कहा कि किसी के मकान या सड़क किनारे लाउडस्पीकर-डीजे आदि के शोर से न केवल मौलिक मानव अधिकार की क्षति होती है बल्कि आसपास रहने वालों को बेहद परेशानी होती है। लिहाजा, अधिनियम की जिस धारा का दुरुपयोग करते हुए लाउड स्पीकर आदि बजाने की अनुमति हासिल कर ली जाती थी, उसे असंवैधानिक करार दिया जाता है। लेकिन उस आदेश पर सटीक अनुपालन हुआ नहीं। एक बात और, किसी भी धर्म का दर्शन कोलाहल या अपने संदेश को जबरिया लोगों तक पहुंचाने के विरुद्ध है।

इस तरह धार्मिक अनुष्ठान में भारी भरकम लाउडस्पीकर की अनिवार्यता की बात करना धर्म-संगत भी नहीं है। कुरान शरीफ में लिखा है- यदि कोई शख्स दूसरे धर्म में यकीन करता है, तो उसे जबरन अपने धर्म के बारे में न बताएं। इसी तरह गीता रहस्य के अठारहवें अध्याय के 67-68वें श्लोक में कहा गया है- गीता के रहस्य को ऐसे व्यक्ति के समक्ष प्रस्तुत नहीं करना चाहिए जिसके पास इसे सुनने का या तो धैर्य न हो या जो किसी स्वार्थ-विशेष के चलते इसके प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट कर रहा है या जो इसे सुनने को तैयार नहीं है। ऐसा नहीं है कि ध्वनि प्रदूषण पर कानून नहीं हैं, लेकिन कमी है कि उन कानूनों का पालन कौन करवाए। अस्सी डेसीबल से ज्यादा आवाज न करने, रात दस बजे से सुबह छह बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्र का इस्तेमाल न करने, धार्मिक स्थलों पर तय ऊंचाई से अधिक पर भोंपू न लगाने, अस्पताल-शैक्षिक संस्थाओं, अदालत के आसपास लाउडस्पीकर का इस्तेमाल न करने जैसे ढेर सारे नियम व उच्च अदालतों के आदेश सरकारी किताबों में दर्ज हैं, लेकिन सियासी दबाव में ये सब बेमानी हैं। धार्मिक स्थलों से भोंपू उतरवाना या उनकी आवाज काम करना एक शुरुआत तो है लेकिन जब तक सड़क पर हो रहे आए दिन के जलसे-जुलूस-सामाजिक-धार्मिक आयोजनों में शोर के खिलाफ सशक्त शोर नहीं मचाया जाता, शोर इंसान ही नहीं, प्रकृति को भी हानि पहुंचाता रहेगा।

विचार मंथन

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा एवं हिट एंड रन कानून का शक्ति परीक्षण

(लेखक - सनत जैन)

2024 के लोकसभा चुनाव के पहले राम मंदिर एवं रामलला मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा भाजपा का सबसे बड़ा ट्रंप कार्ड है। इसमें 2024 के लोकसभा चुनाव की जीत छिपी हुई है। यह सारा मामला चल ही रहा था,इसी बीच 1 जनवरी 2024 से हिट एंड रन कानून लागू हो गया। इस कानून के लागू हो जाने के बाद बस और ट्रक ड्राइवर बेमियादी हड़ताल पर चले गए हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड तथा गुजरात इत्यादि राज्यों में सड़कों पर भारी जाम लग गया है। खाने पीने की वस्तुओं का अभाव होना शुरू हो गया है। पेट्रोल रसोई गैस और डीजल की आपूर्ति पर इसका असर पड़ा है। हिट एंड रन कानून के विरोध में जिस तरीके से ट्रक और बस ड्राइवर हड़ताल कर रहे हैं। उसका असर प्रत्येक घर में हो रहा है। सड़कों पर हजारों वाहनों के पहिए जाम हो चुके हैं। राजमार्गों पर जाम लग रहे हैं। साग-सब्जी, दूध, खाद्य पदार्थ की आपूर्ति में बाधा उत्पन्न हो गई है। जिसके कारण बाजार में दाम बढ़ना भी शुरू हो गए हैं। पेट्रोल, आज के समय में गरीब से गरीब आदमी को भी उपयोग में लाना पड़ता है। पेट्रोल पंपों पर लंबी-लंबी कतारें लग गई हैं। 25 फ़ीसदी पेट्रोल पंप ड्राई हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में यह हड़ताल सभी को प्रभावित कर रही है। भारतीय न्याय संहिता 2023 में हुए संशोधन के बाद ड्राइवरों पर बड़ा शिकंजा सरकार द्वारा कसा गया है। दोषी ड्राइवर पर 7 लाख रूपये का जुर्माना और 10 साल तक की कैद का प्रावधान किया गया है। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने हिट एंड रन कानून को लागू करने पर सख्त विरोध जताया है। वहीं ड्राइवरों ने भी भारी जुर्माना और सजा को देखते हुए वाहनों के पहिए जाम करके, ड्राइवरी के काम से तौबा करने की बात कर रहे हैं। देशभर में लाखों ड्राइवर, बस और ट्रकों में ड्राइवरी करते हैं। यदि यह हड़ताल पर चले गए,और इन्होंने ड्राइवर के काम से तौबा कर ली। तो सारे देश में अफरा तफरी मचना तय है। 50 साल पहले भारत में जार्ज फर्नांडीज के नेतृत्व में 1974 में रेलवे की हड़ताल हुई थी। जिसमें 17 लाख रेल कर्मियों ने हड़ताल में भाग लिया था। 20 दिन तक यह हड़ताल चली थी। इस हड़ताल में राज्यों के बस फेडरेशन ने भी समर्थन देकर बसों का संचालन बंद कर दिया था। सारे देश में उस समय हाहाकार मच गया था। यहीं से सरकार के खिलाफ सबसे बड़े आंदोलन की शुरुआत हुई थी। जन मानस में इस हड़ताल का बहुत बड़ा असर पड़ा था। महंगाई के कारण तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार को आपातकाल लगाने के लिए विवश होना पड़ा था। केंद्र सरकार द्वारा भारतीय न्याय संहिता में जो नया कानून हिट एंड रन के मामले में बनाया गया है। उसमें 7 लाख का जुर्माना और 10 साल की सजा का जो प्रावधान किया गया है। इसका विरोध सारे देश के ड्राइवर कर रहे हैं। पिछले दो दशक में वाहनों की संख्या बहुत तेजी के साथ बढ़ी है। करोड़ों लोग ड्राइवर के रूप में नौकरी कर रहे हैं। वहीं उनकी कमाई का जरिया है। नए कानून के कारण उनकी नौकरी जोखिम भरी हो गई है। भारत में ड्राइवरों को 7000 से लेकर अधिकतम 20000 रूपये का वेतन निजी क्षेत्र में मिलता है। नौकरी भी हमेशा अस्थाई रहती है। बस और ट्रक के ड्राइवर कई दिनों तक अपने घर से बाहर रहते हैं। इतने कम वेतन में इस महंगाई में उनको परिवार चला पाना मुश्किल होता है। नए कानून में जिस तरह से उनके ऊपर जुर्माना और सजा का प्रावधान किया गया है। दुर्घटना होने और ड्राइवर की जेल जाने के बाद उसके परिवार का क्या होगा। यह उनकी चिंता का सबसे बड़ा कारण बन गया है। नए कानून के बाद कोई भी व्यक्ति शायद ही ड्राइवरी के पेशे में आना चाहेगा। नए कानून से करोड़ों लोग बेरोजगार होने की स्थिति में पहुंच गए हैं। एक नई बात और सामने आ रही है, कि बीमा कंपनियों का बिजनेस बढ़ाने के लिए, सरकार ने हिट एंड रन कानून के नए प्रावधान, भारतीय न्याय संहिता में किए हैं। वाहन की बीमा पॉलिसी लेते समय ड्राइवर के जुर्माने की रकम बीमा में कवर हो सकती है। इसके लिए बीमा कंपनियां प्रीमियम को बढ़ा देंगे। इससे बीमा कंपनियों को अरबों रुपए की कमाई होगी। यह भी कहा जा रहा है, कि अडानी अंबानी जैसे उद्योगपति बीमा व्यवसाय में अपनी जगह बना रहे हैं। हिट एंड रन मामले में जो प्रावधान किए गए हैं। वह बीमा व्यवसाय को बढ़ाने के लिए लाये गए हैं। देश में करोडों वाहन है।

हर वाहन के लिए बीमा पॉलिसी लेना अनिवार्य है। बीमा प्रीमियम के रूप में अरबो रुपए की कमाई बीमा कंपनियों को हो रही है। नए कानून में बीमा नहीं होने पर भारी जुर्माना की व्यवस्था की गई है। अब दुर्घटना होने पर ड्राइवर पर 7 लाख रुपए का जुर्माना कवर करने के लिए बीमा कंपनियां प्रीमियम की राशि को बढ़ा देगी। लेकिन सजा तो ड्राइवर को ही भुगतना होगी। नए कानून के इस प्रावधान से ड्राइवर भारी नाराज हैं। वह आर पार की मुद्रा में आकर खड़ा हो गए हैं। इससे देश का जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

सुंदर हैंडराइटिंग भी दिलाती है नंबर

हिन्दी में केवल पढ़ना या रटना पर्याप्त नहीं है। लेखन का अभ्यास बेहद जरूरी है। नियमित लेखन से लिखाई तो सुन्दर होगी ही, वर्तनी की त्रुटियां भी सुधरेंगी और विषय-वस्तु भी भली-भांति समझ आएगी। ध्यान रहे, हिन्दी के प्रश्न का दारोमदार मुख्यत- आपके स्पष्टीकरण और बढिया प्रेजेंटेशन पर टिका है। हिन्दी की तैयारी के लिए छात्रों को 2013 के प्रश्न पत्र के प्रारूप एवं अंक योजना में आए परिवर्तनों का पता होना भी बेहद जरूरी है। इसके अलावा सीबीएसई की वेबसाइट पर 2013 में टॉप पर रहे कुछ विद्यार्थियों की आंसरशीट भी डाली गई हैं, ताकि आगामी एग्जाम में बैठने वाले छात्रों को उनके द्वारा लिखे गए प्रश्नों के उत्तर और खास प्रेजेंटेशन के बारे में मालूम हो सके। कुछ मॉडल पेपर्स भी जरूर तैयार करें, क्योंकि ये मॉडल पेपर सीबीएसई एक्सपर्ट द्वारा ही बनाए जाते हैं और उसी तरह के प्रश्नों को 12वीं बोर्ड परीक्षा में पूछा जाता है।

प्रश्नों के उत्तर लिखने का तरीका

अध्ययन की कमी के कारण कुछ छात्रों के उत्तर 'टू दि प्वाइंट' नहीं होते। न तो वह पैराग्राफ बदलते हैं और न ही उनके लेखन में क्रमबद्धता होती है। इसके अलावा अन्य प्रश्नों में परीक्षक आपके विचार, आपके लिखने की शैली, लेखन क्षमता के तौर-तरीके व स्टेपवाइज दिए गए आंसर की परख करता है। थोड़ा आपके लेखन से भी प्रभावित होता है एग्जामिनर।

काव्य और गद्य इस तरह करें

काव्य खंड को हल करते समय छात्र इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि व्याख्या वाले प्रश्न में पहले, प्रसंग में कवि और कविता का नाम तथा व्याख्या में प्रसंगानुसार छात्र के विचार तथा विशेष में अलंकार, भाषा और शिल्प सौंदर्य को सिर्फ एक-एक लाइन में लिखें।

इसी तरह गद्यांश की व्याख्या में रचानाकार की मूलकृति तथा उसमें दिए गए 'मूल भाव' का याद करना और समझना बेहद जरूरी है। गद्यांश में परीक्षक यह देखता है कि छात्र को दी गई विषय-वस्तु की कितनी जानकारी है। इसमें छात्रों को भाव-विचार व शिल्प सौंदर्य को अवश्य तैयार करना चाहिए। ऐसा करने से ऐसे प्रश्नों में पूरे अंक मिलते हैं। दूसरा साहित्यकार का परिचय देते समय तीन उप शीर्षक जरूरी हैं। पहला संक्षिप्त जीवन परिचय, रचनाएं व भाषागत विशेषताएं। चरित्र-चित्रण वाले प्रश्नों को हल करते समय उन्हें अलग-अलग शीर्षकों में लिखें। अपठित काव्यांश व गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते समय सबसे पहले दो-तीन बार ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए। गद्यांश व पद्यांश की पंक्तियों को ज्यों का त्यों न लिख कर सीधी-सरल भाषा में संक्षिप्त व सटीक उत्तर देने चाहिए।

हॉट्स प्रश्न ऐसे सॉल्व करें

जो प्रश्न अधिक अंकों के हैं, उन्हें हॉट्स क्वेश्चन कहते हैं। उन्हें स्टेपवाइज हल करें, क्योंकि ऐसे प्रश्नों में एक प्रश्न में ही भिन्न-भिन्न चीजों को लिखना होता है। कम अंक वाले प्रश्नों को कम से कम दो बार पढ़ कर 'टू दि प्वाइंट' लिखें। 6 से 8 अंकों के प्रश्नों का उत्तर 150 शब्दों से ज्यादा न हो और 6 अंकों के प्रश्नों का उत्तर 100 शब्दों तथा 2 और 4 अंकों के प्रश्नों का उत्तर दो लाइन और 50 और 60 शब्दों में दिया हो।

ऐसे करें निबंध और पत्र की तैयारी

छात्रों को परीक्षा की तैयारी करते समय निबंध, पत्र व अपठित बोध की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। नए पाठ्यक्रम में निबंध लेखन के अन्तर्गत परम्परागत विषयों पर नहीं, बल्कि करंट अफेयर्स व व्यावहारिक (practical subjects) विषयों पर पूछे जाते हैं। जैसे - उत्तराखण्ड त्रासदी, भ्रष्टाचार, लोकपाल बिल, भारतीय चुनाव प्रणाली में सुधार, जैसे महत्वपूर्ण विषयों को तैयार करके अलग नोटबुक पर लिख कर अभ्यास करें। अभ्यास करने से छात्रों में आत्मविश्वास व राइटिंग स्पीड में वृद्धि होती है। छात्रों को इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि वो बड़े-बड़े वाक्य न बनाएं, बल्कि छोटे-छोटे व सरल वाक्यों का प्रयोग करें। हिन्दी में पत्र लेखन के लिए कुछ समाचार पत्रों और उनके संपादकों के नाम, प्रकाशन कार्यलय आदि के नाम जरूर याद करें। पत्रों में औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्रों का लिखित अभ्यास करें।

कुछ महत्वपूर्ण बिंदू

उत्तर पुस्तिका में उत्तरों का प्रस्तुतीकरण ढंग से करें। 2. कम से कम तीन मॉडल पेपर (सीबीएसई) हल जरूर करें। 3. जिन प्रश्नों को प्वाइंट्स में लिखा जा सकता हो, वहां और किसी तकनीक का प्रयोग न करें। 4. सीबीएसई की अंक योजना के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दें। 5. व्याख्या वाले प्रश्नों में प्रसंग, व्याख्या व सौंदर्य बोध या विशेष को अलग-अलग रेखांकित करें। 6. जीवनी वाले प्रश्नों में छात्रों, लेखकों या कवियों में से उनकी विचारधारा, समय, रचनाएं व भाषा शैली जरूर लिखें।

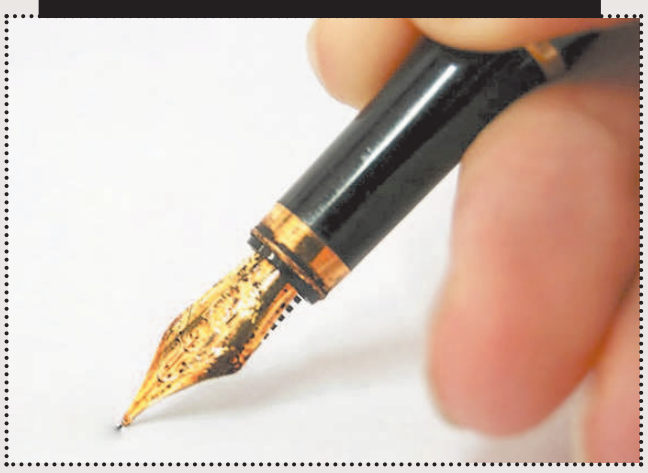

बनें साइबर सुरक्षा के मास्टर

पिछले एक दशक में देश में कंप्यूटर का चलन तेजी से बढ़ा है. बड़ी से बड़ी कंपनी और छोटे से छोटे ऑफिस तक की सारी गोपनीय जानकारियां कंप्यूटर में रखी जा रही हैं. सुरक्षा को ध्यान में रख कर कंप्यूटर पर पासवर्ड सेट किये जा रहे हैं. पासवर्ड ज्यादा सुरक्षित हों, इसके भी तरीके उजागर किये जा रहे हैं.

साइबर सुरक्षा के तमाम उपाय करते हुए भी उनकी जानकारियां पलक झपकते ही सात समंदर पार बैठे लोगों तक आसानी से पहुंच जा रही हैं. यह काम कंप्यूटर के जानकारों द्वारा ही किया जाता है. इन्हें रोकने का जिम्मा एथिकल हैकर का होता है और इस पूरी प्रक्रिया को एथिकल हैकिंग का नाम दिया गया है. हालिया कुछ वर्षो में इमेल हैकिंग, गोपनीय दस्तावेज लीक होने, आतंकी हमले आदि की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं. इससे व्यक्ति विशेष, संस्थान के अलावा पूरे देश की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न होने की संभावना भी बढ़ी है.

क्यों पड़ी इसकी जरूरत

नासकॉम की एक रिपोर्ट की मानें, तो देश में 77 हजार एथिकल हैकरों की प्रतिवर्ष आवश्यकता है, जबकि सिर्फ 25-30 हजार प्रोफेशनल्स प्रतिवर्ष सामने आ रहे हैं. यानी इसकी जरूरत से काफी कम लोग हर साल यह कोर्स कर रहे हैं. रिपोर्ट के अनुसार, एथिकल हैकर की मांग आनेवाले समय में और अधिक बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि हर क्षेत्र में कंप्यूटर का दखल बढ़ता जा रहा है और लोग अपनी सारी गोपनीय जानकारियां कंप्यूटर में ही रखना चाह रहे हैं.

कब करें यह कोर्स

एथिकल हैकिंग से संबंधित बैचलर, मास्टर, पीजी डिप्लोमा और डिप्लोमा कई तरह के कोर्स मौजूद हैं. कुछ कोर्स ऐसे भी हैं, जिनमें एथिकल हैकिंग एक विषय के रूप में पढ़ाया जाता है. बैचलर कोर्स में दाखिला 12वीं के बाद, मास्टर व पीजी में प्रवेश ग्रेजुएशन के बाद और डिप्लोमा में बारहवीं के बाद प्रवेश ले सकते हैं. इन योग्यताओं के साथ-साथ इसमें कंप्यूटर की जानकारी को सर्वोपरि रखा जाता है. बैचलर व मास्टर कोर्स कंप्यूटर एप्लीकेशन से संबंधित होते हैं. बैचलर कोर्स में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा पास करना जरूरी है. अंकित फाड़िया सर्टिफाइड एथिकल हैकर कोर्स भी प्रचलन में है.

कोर्स से जुड़ी जानकारी

कोर्स के दौरान छात्रों को कंप्यूटर सिक्योरिटी से जुड़ी पूरी जानकारी प्रदान की जाती है. क्लास में प्रेजेंटेशन टेस्ट, गैजेट्स की जानकारी, हैकिंग, पासवर्ड क्रैकिंग, मालवेयर एनालिसिस, पोर्ट स्कैनिंग, बफर ओवरफ्लो आदि के बारे में विस्तार से बताया जाता है. कोर्स के दौरान ही छात्र सिक्योरिटी से संबंधित समस्याओं की रिपोर्ट करने, नियम के दायरे में रह कर काम करने, बायोमेट्रिक्स सिस्टम पर प्रोजेक्ट तैयार करने और हालिया घटित हैकिंग के नये मामलों पर चर्चा करते हैं.

इसमें संभावनाएं हैं अपार

कोर्स समाप्त होने के बाद प्रोफेशनल्स को किसी कंपनी में सिक्योरिटी एनालिस्ट, चीफ इन्फार्मेशन ऑफिसर, प्रेजेंटेशन टेस्टर व नेटवर्किंग स्पेशलिस्ट के रूप में काम करने का अवसर मिलता है. प्रेजेंटेशन टेस्टर के रूप में प्रोफेशनल्स फायरवाल की जांच करते हैं, जिससे कि गैरजरूरी चीजों का प्रवेश रोका जा सके. जबकि नेटवर्किंग स्पेशलिस्ट के अंतर्गत संस्थान के कंप्यूटर नेटवर्क की सुरक्षा, सॉफ्टवेयर आदि की सुरक्षा का जिम्मा होता है. साइबर विशेषज्ञ पवन दुग्गल के अनुसार इस क्षेत्र में शुरुआती दौर में 40 से 60 हजार रुपये प्रतिमाह की सैलरी आसानी से मिलती है. यदि प्रोफेशनल्स के अंदर स्किल्स हैं, तो वे 80 से 90 हजार प्रतिमाह का भी पैकेज पा सकते हैं.

कहां मिलते हैं रोजगार

एथिकल हैकिंग का कोर्स करने के बाद उम्मीदवार बैंक, एयरलाइंस, होटल्स, टेलीकॉम कंपनी, आउटसोर्सिंग यूनिट्स, आइटी सर्विस कंपनी, रिटेल चेन, इंटरनेट फर्म्स आदि में काम कर सकते हैं.

कंप्यूटर नेटवर्किंग नॉलेज है जरूरी

इस प्रोफेशन में सबसे जरूरी है कंप्यूटर नेटवर्किंग नॉलेज. बिना इसके लंबी रेस का घोड़ा नहीं बना जा सकता. इसके अलावा प्रोफेशनल्स को जावा, यूनिक्स व सी++ में भी दक्ष होना जरूरी है. साथ ही उसे अपना दिमाग हमेशा खुला रखना होगा और नेटवर्किंग से जुड़ी हर जानकारी को आत्मसात करना होगा. प्रॉब्लम सॉल्विंग, एनालिटिकल स्किल्स, सिक्योरिटी सिस्टम और कंप्यूटर का गहरा ज्ञान भी काफी ऊंचाई तक ले जा सकता है.

ऊंची उड़ान के लिए
कर्मचारियों को रखें प्रोत्साहित

गूगल अपने कर्मचारियों को मुफ्त खाना देता है, पालतु कुत्तों को दफ्तर में लाने की स्वीकृति देता है, आप मानें या न मानें लॉन की घास साफ करने के लिए उन्होंने बकरियां भी रखी हैं। बेशक हर कम्पनी गूगल जैसे सुविधाएं न देना चाहे, सफलता का मंत्र है कि अपने कर्मचारियों को किसी न किसी तरह से प्रोत्साहित तथा खुश रखा जाए ताकि वे दिल लगा कर काम करें।

आज प्रोत्साहन केवल पैसों तक ही सीमित नहीं है, कर्मचारियों के कल्याण के लिए रोज कुछ न कुछ करते रहना जरूरी है। चाहे उनके लिए चाय-पानी का खास इंतजाम किया जाए या इस बात पर ध्यान दिया जाए कि कोई कर्मचारी क्यों ओवरटाइम काम कर रहा है। ऐसे ही कुछ तरीकों के बारे में जानते हैं जिनसे कर्मचारियों को प्रोत्साहित तथा उत्साहित रखा जा सकता है।

उनकी बात सुनें

कर्मचारियों की भावनाओं को जानने का पहला कदम उनकी बात सुनना है ताकि उपयुक्त सुधार किए जा सकें। केवल वही बातें सुनना काफी नहीं हैं जो कर्मचारी कहें, अपनी आंखें खुली रखना भी जरूरी है क्योंकि कई बार कर्मचारी अपने मुंह से कुछ नहीं कहते हैं परंतु उसका असर उनके कामकाज तथा उनके व्यवहार में स्पष्ट जाहिर होता है। उन समस्याओं को समझना तथा दूर करना जरूरी है जो किसी कर्मचारी को प्रभावित करती हों। अच्छी नीतियां तथा अच्छा शासन इस तथ्य से कायम होता है कि प्रबंधन कर्मचारियों की बात सुनता है।

खाओ, खेलें और काम करो

अच्छी तनख्वाह तथा भत्तों के साथ-साथ तनाव दूर करने वाली गतिविधियां, खेल आदि का इंतजाम भी होना चाहिए। दफ्तर के एक हिस्से में कर्मचारियों के हल्के-फुल्के खेल का इंतजाम हो तो तनाव से मुक्ति पाने के साथ-साथ एक-दूसरे को बेहतर ढंग से जाना जा सकता है।

विश्वास कायम करना

कर्मचारियों को इस बात का विश्वास दिलाना भी जरूरी है कि कम्पनी करियर शुरू करने तथा तरक्की करने के लिए एक उत्तम स्थान है। काम से असंतुष्ट होकर कर्मचारियों के कम्पनी छोडने का एक कारण अक्सर उनमें विश्वास की कमी होता है। वहां कर्मचारियों के आपस में तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंध सही नहीं होते हैं। कई बार तो कर्मचारियों पर बस काम थोप दिया जाता है और उन्हें यह भी पता नहीं होता है कि वे काम क्यों कर रहे हैं। उन्हें कम्पनी के लक्ष्य के साथ जोडना अहम है।

भावनाओं पर नियंत्रण

कर्मचारियों को दिए जाने वाले पैसे या भत्तों को अब कई कम्पनियां निवेश के तौर पर देखती हैं। कठिन दौर में सहायता करके कर्मचारियों को कम्पनी के प्रति वफादार बनाया जा सकता है। यही वजह है कि ऐसी इंडस्ट्रीज हैं जिन्होंने मुनाफे में कमी के बावजूद अपने कर्मचारियों के भत्तों में कटौती नहीं की।

करियर की पहली सीढ़ी
आवेदन पत्र

आजकल आवेदन पत्रों का स्वरूप काफी विस्तृत हो गया है। आवेदक की योग्यता एवं प्रतिभा का आकलन आज काफी हद तक आवेदन पत्रों में उसके द्वारा भरी हुई जानकारी से ही लगाया जाने लगा है, अत- यह बहुत आवश्यक है कि फार्म भरते समय अत्यंत सावधानी बरती जाए। सैकड़ों फार्म सिर्फ इसलिए रद्द कर दिए जाते हैं क्योंकि वे सही ढंग से भरे हुए नहीं होते। आवेदन पत्र भरना भी एक कला है। वैसे यदि इस कला को तकनीकी कौशल की संज्ञा दी जाए तो गलत नहीं होगा। प्रभावशाली तरीके से आवेदन पत्र भरने के लिए निम्नलिखित बातों का अवश्य ध्यान रखें

- सर्वप्रथम बाजारों एवं एजैंटों के पास उपलब्ध विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के आवेदन पत्रों को भली-भांति जांच करने के पश्चात ही खरीदें। कभी-कभी फार्म डुप्लीकेट भी मिलते हैं। बेहतर होगा कि रोजगार समाचार में प्रकाशित प्रारूप से आवेदन पत्र का मिलान कर लें।
- किसी भी आवेदन पत्र को भरने से पूर्व उसके साथ संलग्र विवरणिका या नियमावली का गहराई से अध्ययन करें। आवेदन पत्र के ऊपर लिखे निर्देशों को भी ध्यानपूर्वक पढ़ें। जो सूचनाएं आवेदन पत्र में मांगी गई हैं, वे सारी पहले नोट कर लें तथा एक-एक करके सारी सूचनाएं इकट्ठी करें।
- आवेदन पत्र का कोई भी कॉलम जल्दबाजी में न भरें। पहले पढ़ें, फिर सोचें, तभी कलम को हरकत में लाएं।
- आवेदन पत्र को कभी गलत न भरें। विवरण समझ में नहीं आने पर किसी जानकार व्यक्ति या संस्थान से उसको सही ढंग से समझ लें।
- फार्म के सभी कॉलमों को भरते हुए ध्यान रखें कि आपकी जानकारी सही एवं प्रमाणिक होनी चाहिए। बहुत से उम्मीदवार सिर्फ अच्छा प्रभाव डालने के उद्देश्य से कई बार फार्म में गलत जानकारी भी भर देते हैं।
- आवेदन पत्र भरते समय हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि आवेदन पत्र में 'काट-छांट' या 'ओवरराइटिंग' न हो क्योंकि इससे आवेदन पत्र के जांचकर्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- फार्म भरते समय एक ही रंग की स्याही या बॉलपैन का प्रयोग करें और हो सके तो नीले बॉल पैन को ही उपयोग में लाएं। लाल स्याही से तो फार्म कभी भी न भरें।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया नीचे आया है। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में भी रुपया टूटा है। निवेशकों को नये साल पर रुपये में तेज आने की उम्मीद थी पर उन्हें निराशा का सामना करना पड़ा। आज डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे की गिरावट के साथ 83.32 पर बंद हुआ है। इस प्रकार रुपया अपने निचले स्तर पर पहुंच गया है। इससे पहले आज सुबह रुपये की कमजोर शुरुआत हुई थी। आज सुबह रुपया 83.28 पर खुला वहीं गत दिवस भी रुपया गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था।

केंद्र सरकार ने वाहन क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना एक साल बढ़ाई

नई दिल्ली । भारी उद्योग मंत्रालय ने वाहन एवं वाहन कलपुर्जा क्षेत्र के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को मामूली बदलावों के साथ एक साल के लिए बढ़ा दी है। यह निर्णय सचिवों के अधिकार-प्राप्त समूह (ईजीओएस) की मंजूरी मिलने के बाद किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि ईजीओएस की मंजूरी मिलने के बाद भारी उद्योग मंत्रालय ने वाहन और वाहन कलपुर्जा उद्योग के लिए चलाई जा रही पीएलआई योजना और इस योजना के दिशानिर्देशों में मामूली संशोधन किया है। आधिकारिक बयान के मुताबिक सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रभावी इन संशोधनों का उद्देश्य योजना को स्पष्टता और लचीलापन देना है। संशोधित योजना के तहत, वाहन उद्योग को वित्त वर्ष 2023-24 से लगातार पांच वित्त वर्षों के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। प्रोत्साहन राशि का वितरण अगले वित्त वर्ष 2024-25 में किया जाएगा। योजना के तहत एक अनुमोदित आवेदक लगातार पांच वित्त वर्षों के लिए लाभ का पात्र होगा। इसके साथ ही अगर कोई कंपनी निर्धारित बिक्री मूल्य में पिछले वर्ष की सीमा से अधिक वृद्धि नहीं कर पाती है तो उसे उस साल के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं मिलेगा। इस प्रावधान का उद्देश्य सभी अनुमोदित कंपनियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना और अग्रिम निवेश करने वाली फर्मों की सुरक्षा करना है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बेंगलुरु में चार एकड़ जमीन खरीदी

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने एक लक्जरी आवास परियोजना के लिए बेंगलुरु में चार एकड़ जमीन क्रय की है। कंपनी ने कहा कि उसे अपार्टमेंट की बिक्री से 1,000 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित हो सकता है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी ने एकमुश्त आधार पर चार एकड़ जमीन खरीदी है। यह जमीन राष्ट्रीय राजमार्ग-75 के पास यशवंतपुर में स्थित है। यशवंतपुर, बेंगलुरु के प्रमुख स्थानों में से एक है। अतिरिक्त एक एकड़ भूमि अधिग्रहण करने पर इसके 1,250 करोड़ रुपये तक बढ़ने की संभावना है। इसके साथ ही यह कुल पांच एकड़ का भूखंड हो जाएगा। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यशवंतपुर हमारे लिए एक महत्वपूर्ण सूक्ष्म बाजार है और हम इस भूखंड को अपने खंड में जोड़कर खुश हैं। उन्होंने कहा कि इस अधिग्रहण से बेंगलुरु में कंपनी की पकड़ मजबूत होगी।

एलआईसी को 806 करोड़ का जीएसटी नोटिस मिला

मुंबई ।

देश की प्रमुख बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को 806.3 करोड़ रुपए का नया जीएसटी नोटिस प्राप्त हुआ है। कंपनी को यह नोटिस महाराष्ट्र के स्टेट टैक्स के डिप्टी कमिश्नर ने भेजा है और इसमें कंपनी पर वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान विभिन्न कंप्लायंस को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया गया है। डिमांड नोटिस में 365.02 करोड़ रुपए का जीएसटी बकाया, 404.7 करोड़ रुपए का जुर्माना और 36.5 करोड़ रुपए का ब्याज भुगतान शामिल है। नोटिस मिलने की खबर के बाद एलआईसी के शेयर 2 जनवरी को कारोबार के दौरान लगभग 2 फीसदी तक गिर गए। शुरुआती कारोबार में एलआईसी के शेयर एनएसई पर 1.83 फीसदी टूटकर 843 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहे थे। जीएसटी अधिकारियों ने बताया कि एलआईसी ने सीजीएसटी रूल्स 37 और 38 के अनुसार इनपुट टैक्स क्रेडिट को वापस नहीं लेने और रिइंश्योरेंस से मिले इनपुट टैक्स क्रेडिट को वापस लेने जैसे विभिन्न नियमों का पालन नहीं किया। इसके अलावा जीएसटी अधिकारियों ने जीएसटीआर-3बी के साथ किए गए भुगतान में देरी और एडवांस पर मिले ब्याज के चलते बकाया राशि में ब्याज भी जोड़ा। एलआईसी ने अपने सप्लायर्स की ओर से दिखाई गई राशि की तुलना में कम रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म (आरसीएम) देनदारी का भी खुलासा किया। वहीं एलआईसी ने एक बयान में कहा कि वह इस आदेश के खिलाफ कमिश्नरेट में अपील दाखिल करेगी। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बीमा कंपनी ने कहा है कि इस नोटिस से कंपनी की वित्तीय, कारोबारी या अन्य गतिविधियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

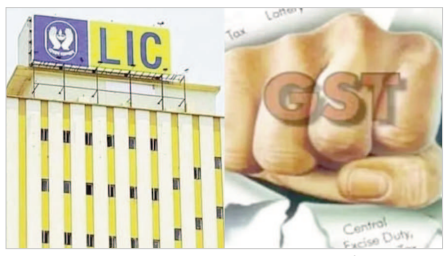

समय से पहले भुगतान से भी खराब होता है क्रेडिट स्कोर

नई दिल्ली । अगर आप भी लोन तेजी से चुकाने के लिए समय से पहले भुगतान करते हैं तो सावधान हो जाएं। ये इसलिए क्योंकि इसका सीधा प्रभाव आपके क्रेडिट स्कोर पर पड़ेगा। ऐसे में पहले लोन जल्द पूरा करने के बाद आप अगर क्रेडिट कार्ड को बंद करवा देते हैं तो आपका क्रेडिट स्कोर गिर सकता है। क्रेडिट स्कोर खराब होने के कई कारण होते हैं। अगर आप समय से पहले लोन को पूरा अदा कर देते हैं तो यह भी आपके क्रेडिट स्कोर पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। ऐसे में आपको पता होना चाहिए कि आपका क्रेडिट स्कोर कैसे निकाला जाता है। क्रेडिट स्कोर को सही करने के लिए पेमेंट हिस्ट्री, क्रेडिट यूटिलाइजेशन, क्रेडिट हिस्ट्री, क्रेडिट मिक्स जैसे कई चीज की जानकारी जरूरी होती है। आप अगर समय से क्रेडिट कार्ड या लोन की ईएमआई का भुगतान करते रहते हैं तो यह आपको पेमेंट हिस्ट्री को सही करता है, जिससे आपकी क्रेडिट स्कोर भी अच्छा होता है। वहीं, अगर आप समय से पहले लोन का भुगतान कर देते हैं या फिर क्रेडिट कार्ड को बंद कर देते हैं तो यह क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेशो बढ़ जाता है। इससे भी क्रेडिट क्रेडिट स्कोर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

देश में 31 दिसंबर तक 8.18 करोड़ लोगों ने भरा आयकर रिटर्न

नई दिल्ली । करदाताओं ने आयकर रिटर्न भरने के मामले में रिकॉर्ड तोड़ दिया है। भारत में 31 दिसंबर तक आयकर रिटर्न दाखिल करने की संख्या में रिकॉर्ड 9 फीसदी का उछाल देखा जा रहा है।` पिछले वर्ष 2022 के 31 दिसंबर तक दाखिल किए गए 7.51 करोड़ रिटर्न की तुलना में इस बार यह संख्या 8.18 करोड़ तक पहुंच गई। इस अवधि के दौरान कुल 1.60 करोड़ ऑडिट रिपोर्ट और अन्य फॉर्म दाखिल किए गए हैं। जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 1.43 करोड़ ऑडिट रिपोर्ट और फॉर्म दाखिल किए गए थे। 31 दिसंबर अपडेटेड रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख थी। इस तारीख तक करदाता स्वयं या आयकर विभाग द्वारा चिह्नित किसी भी जानकारी में सुधार कर सकते थे। साथ ही विलंब शुल्क के साथ बिलेटेड आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख भी 31 दिसंबर थी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि बड़ी संख्या में करदाताओं ने अपने एनुअल इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस) और टैक्सपेयर इन्फॉर्मेशन समरी (टीआईएस) को देखकर अपने वित्तीय लेनदेन के डेटा की तुलना की। इस वित्त वर्ष के दौरान आयकर विभाग ने एक डिजिटल ई-भुगतान कर भुगतान प्रणाली शुरू की है, जो ई-भुगतान के लिए यूजर-फ्रेंडली विकल्प जैसे इंटरनेट बैंकिंग, एनईएफटी, डेबिट कार्ड, भुगतान गेटवे और यूपीआई को सक्षम बनाता है।

साल के दूसरे दिन शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 379 , निफ्टी 81 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। साल के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही वित्तीय और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली हावी रहने से आई है। वहीं आज कारोबार के दौरान एशियाई बाजारों से मिश्रित संकेत मिले। वहीं नए साल की छुट्टियों के चलते यूरोपीय और अमेरिकी बाजार सोमवार को बंद रहे। बाजार में अंतिम सत्र में थोड़ी रिकवरी हुई। आज बैंचमार्क सूचकांकों ने कुछ हद तक वापसी की। वहीं व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में 0.9 फीसदी की गिरावट रही। व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक इंट्राडे ट्रेड कारोबार (एक ही दिन में शेयर खरीदने बेचने) में 0.5 फीसदी से अधिक गिरे। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 379.46 अंक करीब 0.53 फीसदी नीचे आकर 71,892.48 अंक पर बंद हुआ। वहीं आज सेंसेक्स 71,613.74 के शीर्ष 72,332.85 के निचले स्तर तक आया। दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 81.65 अंक तकरीबन 0.38 फीसदी नीचे आकर 21,660.25 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी आज 21,555.65 तक ऊपर जाने के बाद 21,755.60 तक नीचे आया। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत हल्की` गिरावट के साथ हुई है। बीएसई का 30 शेयर सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 202.76 अंक गिरकर 72,069.18 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 42.9 अंक गिरकर 21,699 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंफोसिस, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर नुकसान में रहे। वहीं सन फार्मा, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व और पावर ग्रिड के शेयर लाभ में रहे। अन्य एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कम्पोजिट नीचे आ।

एचडीएफसी बैंक ने सेकंडरी मार्केट में स्पोंसर और डेस्टिनेशन बैंक के रूप में काम शुरू किया

सेबी ने 1 जनवरी को दी है इसकी अनुमति

मुंबई/इन्दौर ।

01 जनवरी, 2024 से भारतीय स्टॉक एक्सचेंज बाजार में सेकेंडरी मार्केट में ब्लॉक्ड अमाउंट द्वारा समर्थित ट्रेडिंग की अनुमति दी गई; जिसमे एनएसई और बीएसई के कैश और इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में क्लियरिंग और सेटलमेंट बैंक एचडीएफसी बैंक ने एक स्पॉन्सर एंड डेस्टिनेशन बैंक के रूप में काम शुरू किया है। सेबी और स्टॉक एक्सचेंजों ने 1 जनवरी 2024 से सेकंडरी मार्केट के लिए कैश सेगमेंट में ब्लॉक मैकेनिज्म के माध्यम से वैकल्पिक आधार पर ट्रेडिंग की अनुमति दी है। यह प्राइमरी मार्केट में एएसबीए की तर्ज पर है, जहां निवेशक के फंड उनके बचत खाते में ही रहेंगे और आवश्यक राशि को ब्लॉक कर दिया जाएगा, जबकि निवेशक को ट्रेडिंग करने के लिए राशि को पहले ही ब्रोकर के खाते में ट्रांसफर करने की आवश्यकता नहीं होगी।

बैंक अपने सिस्टम को एक्सचेंजों और संबंधित क्लियरिंग कॉर्पोरेशन के साथ एकीकृत करके सेबी की इस नई पहल का समर्थन कर रहा है। यह सिस्टम एकीकरण निवेशक सत्यापन, ब्लॉक क्रिएशन, रिलीज़, रिवोक, क्रियान्वयन और आखिर में रिकोंसिएलिएशन और रिपोर्टिंग की सुविधा देता है। यूपीआई समर्थित तकनीकी समाधान, ब्लॉक/फंड्स रिलीज़ निवेशकों को आसानी से मार्जिन और सेटलमेंट ऑब्लिगेशन को पूरा करने में मदद करता है।

स्टार्टअप सेटल ने कारोबार बढ़ाने निवेशकों से जुटाए 10 करोड़

नई दिल्ली । स्टार्टअप सेटल ने अपने कारोबार को और बढ़ाने के लिए गृहस और वी फाउंडर सर्कल सहित निवेशकों से 10 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। स्टार्टअप सेटल के बेंगलुरु, हैदराबाद, गुरुग्राम और चेन्नई में 60 से अधिक को-लिविंग (सह-आवास) सेंटर संचो लित हैं। इनमें कुल 4,000 बिस्तर हैं। यह एक बेड को किराए पर देने के लिए प्रति माह 12,500 से 18,000 रुपये तक वसूल करते हैं। सेटल की ओर से जारी बयान के अनुसार इस राशि सहित कंपनी अभी तक कुल 15 करोड़ रुपये प्राप्त कर चुकी है। कंपनी इस राशि का उपयोग कारोबार का विस्तार करने के लिए करेगी। स्टार्टअप सेटल की शुरुआत 2020 में की गई। कंपनी लोगों को किराए पर को-लिविंग, पेइंग गेस्ट तथा अपार्टमेंट उपलब्ध कराती है।

चालू वित्त वर्ष के दिसंबर में कर संग्रह तीन महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष के दिसंबर महीन में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह कम होकर तीन महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया है। दिवाली के बाद के त्योहारों की वजह से जीएसटी संग्रह की रफ्तार धीमी हो गई, मगर दिसंबर में आंकड़ा 1.65 लाख करोड़ रुपये का रहा। वृद्धि दर भी एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले कम होकर तीन महीने के निचले स्तर 10.3 फीसदी पर आ गई। एक साल पहले की समान अवधि में जीएसटी संग्रह 1.49 लाख करोड़ रुपये रहा था। भले ही दिसंबर में जीएसटी संग्रह एक माह पहले के मुकाबले कम रहा हो, मगर वह चालू वित्त वर्ष के नौ महीनों में से छठे महीने कम से कम 1.65 लाख करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2024 में दिसंबर तक किसी भी महीने जीएसटी संग्रह का आंकड़ा 1.57 लाख करोड़ रुपये से कम दर्ज नहीं किया गया। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों के दौरान औसत मासिक सकल जीएसटी संग्रह 1.66 लाख करोड़ रुपये रहा जो वित्त वर्ष 2023 की समान अवधि में दर्ज 1.49 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 12 फीसदी अधिक है। चालू वित्त वर्ष में तीन महीने अभी बाकी हैं और इस लिहाज से सीजीएसटी संग्रह का आंकड़ा बजट अनुमान के पार पहुंचने की उम्मीद है। पिछले आंकड़ों से पता चलता है कि रिफंड के बाद प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में 17 दिसंबर तक 20.66 फीसदी बढ़कर 13.7 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह 2023-24 के बजट अनुमान 18.23 लाख करोड़ रुपये का तीन-चौथाई से अधिक है। दिसंबर में घरेलू लेनदेन से प्राप्त राजस्व में एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 13 फीसदी की वृद्धि हुई।

पाकिस्तान को इस महीने आईएमएफ से 70 करोड़ डॉलर मिलने की उम्मीद

इस्लामाबाद ।

वित्तीय संकट का सामनाकर रहे पाकिस्तान को आईएमएफ से अगली किश्त के रूप में 70 करोड़ अमेरिकी डॉलर मिल सकते हैं। बताया गया है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यकारी बोर्ड की बैठक में 11 जनवरी को होगी जिसमें इस पर चर्चा हो सकती है।

एक खबर के अनुसार वाशिंगटन स्थित आईएमएफ का बोर्ड मौजूदा तीन अरब अमेरिकी डॉलर के स्टैंड-बाय अरेंजमेंट (एसबीए) के तहत पाकिस्तान को 70 करोड़ अमेरिकी डॉलर की अगली किश्त के वितरण पर विचार-विमर्श करने और संभावित रूप से अंतिम मंजूरी देने के लिए तैयार है। आईएमएफ कार्यकारी बोर्ड कैलेंडर के अनुसार आगामी बैठकें 8, 10 तथा 11 जनवरी को निर्धारित हैं, जिसमें आखिरी दिन पाकिस्तान के मामले पर चर्चा होनी है। मौजूदा आईएमएफ कार्यक्रम अप्रैल के दूसरे सप्ताह में समाप्त हो सकता है।

इसकी कुल राशि तीन अरब अमेरिकी डॉलर है, जिसमें से करीब 1.8 अरब अमेरिकी डॉलर शेष हैं। 1.2 अरब डॉलर की पहली किश्त जुलाई में जारी की गई थी। पाकिस्तान के एसबीए के तहत पहली समीक्षा के संबंध में आईएमएफ कर्मचारियों तथा पाकिस्तानी अधिकारियों के बीच एक कर्मचारी-स्तरीय समझौता नवंबर 2023 में हुआ था।

पुराने आईटी हार्डवेयर सामान एसईजेड से डीटीए में बदलने पाबंदियों में ढील

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में किसी कंपनी द्वारा लैपटॉप और डेस्कटॉप जैसे पुराने आईटी हार्डवेयर सामानों को घरेलू शुल्क क्षेत्रों स्थानांतरित करने से जुड़ी पाबंदियों में ढील दी है। सीमा शुल्क कानूनों के लिए एसईजेड को विदेशी क्षेत्र माना जाता है और इन क्षेत्रों से घरेलू शुल्क क्षेत्र (डीटीए) या घरेलू बाजार में सामान लाना आयात के समान है। आमतौर पर डीटीए की एक कंपनी को एसईजेड से इन सामानों के आयात के लिए लाइसेंस की आवश्यकता होती है। इन पाबंदियों में ढील देते हुए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि पुराने आईटी हार्डवेयर सामानों को किसी कंपनी द्वारा अतिरिक्त इस्तेमाल के लिए लाइसेंस के बिना एसईजेड से डीटीए में स्थानांतरित किया जा सकता है, लेकिन केवल डीटीए संचालन में इसका इस्तेमाल किया जाए। साथ ही इन उपकरणों का उपयोग एसईजेड इकाइयों में दो साल तक किया गया हो और यह विनिर्माण की तारीख से पांच साल से अधिक पुरानी न हो। डीजीएफटी के अनुसार एसईजेड से डीटीए तक प्रयुक्त आईटी परिसंपत्तियों की आयात नीति अधिसूचित की गई है। सरकार ने पिछले साल अक्टूबर में लैपटॉप और पर्सनल कंप्यूटर के आयात पर लगी पाबंदियों में बदलाव किया था। इसके बाद आयातक मात्रा और मूल्य का विवरण देने पर मंजूरी लेकर विदेशों से आईटी हार्डवेयर का आयात कर सकते हैं।

केंद्र सरकार ने डीजल और कच्चे तेल पर बढ़ाया विंडफॉल टैक्स

- विंडफॉल टैक्स की नई दरें 02 जनवरी से लागू

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने मंगलवार को देश में उत्पादित कच्चे तेल और डीजल के निर्यात पर बिंडफाल टैक्स में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की घोषणा की है। एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार अप्रत्याशित कर को 1,300 रुपये से बढ़ाकर 2,300 रुपये प्रति टन कर दिया है। डीजल पर 0.5 रुपये प्रति लीटर का कर समाप्त कर दिया गया है, साथ ही विमान ईंधन पर 1 रुपये प्रति लीटर का अप्रत्याशित कर भी हटा दिया गया है। भारत ने जुलाई 2022 में कच्चे तेल उत्पादकों पर अप्रत्याशित कर लगाया और गैसोलीन, डीजल और विमानन ईंधन के निर्यात पर लेवी बढ़ा दी क्योंकि निजी रिफाइनर स्थानीय स्तर पर बेचने के बजाय मजबूत रिफाइनिंग मार्जिन से लाभ कमाने के लिए विदेशों में ईंधन बेचना चाहते थे। गौरतलब है कि इसके पहले 19 दिसंबर को सरकार ने विंडफॉल टैक्स में उल्लेखनीय कटौती की थी।

अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल और उत्पाद की कीमतों में उतार-चढ़ाव के आधार पर बिंडफाल टैक्स में पाक्षिक संशोधन किया जाता है। इससे पहले 1 दिसंबर को सरकार ने कच्चे पेट्रोलियम पर विंडफॉल टैक्स को 6,300 रुपये प्रति टन से कर कर 5,000 रुपये प्रतिटन करने की घोषणा की थी। इसके अलावा 16 नवंबर को पिछली समीक्षा के दौरान सरकार ने कच्चे पेट्रोलियम पर विंडफॉल टैक्स को 3,500 रुपये से घटाकर 9,800 रुपये प्रति टन से 6,300 रुपये प्रति टन कर दिया था। यह वैश्विक स्तर पर तेल कीमतों में गिरावट के रुझान के अनुरूप था। इससे पहले 1 नवंबर को सरकार ने कच्चे तेल पर टैक्स 9,050 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 9,800 रुपये प्रति टन कर दिया था। इसके बाद, डीजल निर्यात पर शुल्क आधा घटाकर 2 रुपये लीटर कर दिया गया, जबकि जेट ईंधन पर शुल्क समाप्त कर दिया गया था। कच्चे तेल की बढ़ती कीमत के जवाब में भारत ने शुरुआत में जुलाई 2022 में विंडफॉल टैक्स लगाया था।

यह कर सरकारों द्वारा तब लगाया जाता है जब कोई उद्योग अप्रत्याशित रूप से पर्याप्त मुनाफा कमाता है, जिसका श्रेय आमतौर पर किसी अभूतपूर्व घटना को दिया जाता है। जब ग्लोबल बेंचमार्क की दरें 75 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो जाती हैं तो घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स लगाया जाता है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा टेस्ट जीतकर सीरीज में बराबरी करने उतरेगी भारतीय टीम

केपटाउन (एजेंसी)। रोहित शर्मा की कप्तानी में नये साल की शुरुआत में भारतीय टीम बुधवार को यहां मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट में जीत के इरादे से उतरेगी। टीम इंडिया पहले टेस्ट में हार के कारण पहले ही सीरीज में 1-0 से पीछे हैं। अब उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज बराबरी पर लाना रहेगा। सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय टीम को तीन दिन के अंदर ही एक पारी और 32 रन से हरा दिया था। भारतीय टीम पिछले 31 साल से दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज का प्रयास कर रही है पर हर बार उसे शिकस्त का सामना करना पड़ा है। अब दूसरे टेस्ट मैच को जीतना भारतीय टीम के लिए आसान नहीं रहने वाला है। न्यू लैंड्स की पिच शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद करने वाली है पर बल्लेबाज भी यहां अपना कौशल दिखा सकते हैं। इस पिच पर दोनों टीमों के गेंदबाजी आक्रमण की परीक्षा होगी। केपटाउन में विकेट काफी ज्यादा सपाट है। इस कारण इस विकेट पर साझेदारियां बढ़ेंगी, जिससे इसमें खेलना कठिन होता है। वहीं यदि पारंपरिक रूप से न्यूलैंड्स में हवा चलने पर पिच सूख जाएगी। ऐसे में स्पिनर्स के लिए परेशानी खड़ी हो सकती हैं। दक्षिण अफ्रीका ने न्यूलैंड्स में 59 टेस्ट मैच खेले हैं जहां उसे 27 में जीत मिली है जबकि 21 बार मेहमान टीम को जीत मिली है। वहीं 11 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। यहां के मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 23 मैचों में जीत हासिल की है जबकि लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को 25 मैचों में जीत मिली है।

भारतीय टीम ने केपटाउन में 6 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान उसे 4 में हार मिली है जबकि दो टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारतीय टीम को केपटाउन में आज तक जीत नहीं मिली है। भारत का यहां शीर्ष स्कोर414 रन रहा है जो उसने साल 2007 में दक्षिण अफ्रीका में बनाया था। वहीं भारतीय टीम का यहां सबसे कम स्कोर 135 रन रहा है। दक्षिण अफ्रीका ने साल 2018 में भारत को यहां 135 रनों पर आउट कर दिया था। वहीं मेजबान दक्षिण

अफ्रीका की टीम इस मैच में बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। उसे घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। ऐसे में वह इस मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी।

वहीं टीम इंडिया दूसरा टेस्ट मैच जीतकर सीरीज तो नहीं जीत सकती पर वह ड्रॉ जरूर करा सकती है। केपटाउन के न्यूलैंड्स की पिच पर भारत को अभी तक टेस्ट में जीत नहीं मिली है। ऐसे में टीम इंडिया यहां जीतकर इतिहास कायम कर सकती है। टीम इंडिया ने केपटाउन में अभी तक 6 टेस्ट मैच खेले हैं जहां उसे 4 में हार मिली है वहीं दो टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। इस मैच में मौसम साफ रहने की उम्मीद है।

टीम

भारत - रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, प्रसिद्ध कृष्णा, केएस भरत (विकेटकीपर), अभिमन्यु ईश्वरन।

दक्षिण अफ्रीका - तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्कराम, टोनी डी ज़ोरज़ी, डीन एल्गर, कीगन पीटरसन, काइल वेरिन (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स (विकेटकीपर), नांद्रे बर्गर, मार्को यानसन, वियान मुल्डर, गेराल्ड कोएत्ज़ी, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, डेविड बेडिंघम।

दूसरे टेस्ट में शार्दुल को बाहर कर अश्विन ओर जडेजा को शामिल करें : श्रीकांत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान के श्रीकांत ने कहा है कि केपटाउन में मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑलरांडर शार्दुल ठाकुर को जगह नहीं मिलनी चाहिये। श्रीकांत के अनुसार इस मैच में अनुभवी स्पिनर आर अश्विन व ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा को एकसाथ आक्रमण पर लगाया जाये। श्रीकांत के अनसार जडेजा की वापसी के बाद भी अश्विन को अंतिम ग्यारह में जगह मिलनी चाहिये। इससे पहले जडेजा सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में पीठ में जकड़न के कारण शामिल नहीं थे। ऐसे में उनकी जगह अश्विन को अवसर दिया गया था. पर अब जडेजा की वापसी होने की उम्मीद है। ऐसे में कहा जा रहा है कि अश्विन को बाहर कर दिया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका की तेज पिचों को देखते हुए भारत ने मेजबानों के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए 4 तेज गेंदबाजों को शामिल किया था पर श्रीकांत के अनुसार दूसरे टेस्ट में शार्दुल की जगह पर अश्विन को रखा जाना चाहिये। इस पूर्व कप्तान के अनुसार अश्विन इस मैच में जडेजा के साथ मिलकर मेजबान बल्लेबाजों पर अंकुशलगा सकता है।

श्रीकांत ने कहा, ' मैं अभी भी अश्विन के साथ उतरना चाहूंगा। मुझे लगता है कि वह शार्दुल से बेहतर हैं। मैं शार्दुल की जगह अश्विन को खिलाऊंगा। यदि वह 5 विकेट नहीं ले सकते तो भी वह कुछ विकेट तो ले ही सकते हैं। इसके साथ ही वह जडेजा के साथ मिलकर कसी हुई गेंदबाजी कर सकते है। अश्विन और जडेजा की जोड़ी साथ में मिलकर 4 से 5 विकेट निकाल सकती है।. जो पर्याप्त है.' वहीं पहले टेस्ट में शार्दुल ने 19 ओवर में 101 रन देकर केवल एक ही विकेट लिया था। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने 20 ओवर में 93 रन देकर एक विकेट लिया था। ये दोनों गेंदबाज लगता है कि अपनी लाइन और लेंथ भूल गए हैं।

श्रीकांत ने कहा कि अभी कृष्णा को अंतिम ग्यारह से बाहर करना गलत होगा। साथ ही कहा कि केवल एक मैच के आधार पर ही किसी भी खिलाड़ी को बाहर करना ठीक नहीं है। श्रीकांत, ' यदि आप उनके बल्लेबाजों को परेशानी में डालना चाहते हैं तो आपके पास अश्विन ओर जडेजा जैसे स्पिनर हैं। ये दोनो ही उन्हें अपनी फ्लाइट से बीट कर सकते हैं। आप इस तरह से कुछ ना कुछ प्रयोग कर सकते हैं।

दीप्ति शर्मा ने बनाया रिकॉर्ड, 100 वनडे विकेट पूरे, इस लिस्ट में बनाई जगह

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने महिला वनडे में 100 विकेट पूरे कर लिए हैं। 26 वर्षीय खिलाड़ी मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया महिलाओं के खिलाफ अपने पहले विकेट के साथ इस मुकाम पर पहुंचीं। वह महिला वनडे में 100 विकेट लेने वाली चौथी भारतीय बन गई हैं। महिला वनडे विकेटों के मामले में वह अपनी हमवतन राजेश्वरी गायकवाड़ से आगे निकल गईं।

दीप्ति ने नूशिन अल खादीर (100) की बराबरी कर ली है। अब वह केवल झूलन गोस्वामी (155) और नीतू डेविड (141) से पीछे हैं। दीप्ति गायकवाड़ से आगे निकल गईं, जिन्होंने अब तक इस प्रारूप में 99 विकेट लिए हैं। एकता बिष्ट 90 से अधिक महिला वनडे विकेट लेने वाली एकमात्र अन्य भारतीय महिला हैं।

दीप्ति ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया महिलाओं के खिलाफ पांच विकेट लिए थे। उक्त मुकाबले में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 50 ओवरों में 258/8 पर रोक दिया था। लेकिन इसके बाद भारतीय टीम को तीन रन से मुकाबला गंवा देना पड़ा था।

टी20 क्रिकेट में रोहित शर्मा की होगी वापसी ! कुछ दिन में हो सकता है स्क्वॉड का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक साल के लंबे ब्रेक के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की टी20 क्रिकेट में जल्द ही वापसी हो सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान के खिलाफ इसी महीने से शुरू होने वाली टी20 सीरीज से रोहित शर्मा टीम इंडिया में वापसी करेंगे। अगर इस सीरीज में रोहित की वापसी होती है तो इसका मतलब साफ है कि बीसीसीआई टी20 वर्ल्ड में उन्हें टीम इंडिया की कमान देने की तैयारी में है।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी रोहित शर्मा ही करेंगे। इस रिपोर्ट में बोर्ड अधिकारी के हवाले से ये भी लिखा गया है कि हमने रोहित शर्मा से लंबी बातचीत की है। वह टी20 वर्ल्ड कप में कप्तानी करने को तैयार है। साउथ अफ्रीका से टेस्ट सीरीज के ठीक बाद भारतीय टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। टी20 वर्ल्ड कप के पहले टीम इंडिया की आखिरी टी20 सीरीज है। ऐसे में भारत को वर्ल्ड कप के लिहाज से टीम कॉन्बिनेशन समेत अन्य चीजों को ट्राय करने की संभवत ये आखिरी मौका होगा। यही कारण है कि ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है।

बता दें कि, अब तक माना जा रहा था कि रोहित अफगानिस्तान सीरीज का हिस्सा शायद ही बने। ये भी दावे किए जा रहे थे कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भी रोहित शर्मा नहीं होंगे। ऐसे कयास इसलिए भी लगाए जा रहे थे क्योंकि रोहित पिछले टी20 वर्ल्ड कप के बाद से ही किसी भी टी20 इंटरनेशनल का हिस्सा नहीं रहे हैं। हार्दिक पंड्या की दावेदारी भी इसकी बड़ी वजह थी। हालांकि, कुछ ही दिनों में अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम के स्क्वॉड का ऐलान हो सकता है। जिसमें कप्तानी की जिम्मेदारी रोहित शर्मा के कंधों पर हो सकती है।

अकरम ने पीएसएल को मिनी आईपीएल करार दिया

लाहौर । पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट की जमकर तारीफ की है। अकरम ने आईपीएल को पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से अहम टूर्नामेंट बताया है। उन्होंने कहा कि पीएसएल को मिनी-आईपीएल भी कहा जा सकता है। साथ ही कहा कि मैं दोनों लीगों का हिस्सा रहा हूं पर इनकी तुलना नहीं की जा सकती है। आईपीएल विश्वस्तर पर एक बड़ा टूर्नामेंट है जबकि पीएसएल पाक में सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। वहीं जब अकरम से कोलकाता नाइट राइडर्स और कराची किंग्स के बीच चयन करने के लिए कहा गया, तो उन्होंने दोनो , को ही अच्छा बताया। आईपीएल में दुनिया भर के खिलाड़ी खेलते हैं पर पाक खिलाड़ियों को उसमें प्रवेश नहीं मिलता।

सचिन सहित कई क्रिकेटरों ने प्रशंसकों को नये साल की बधाई दी

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, वसीम जाफर और केएल राहुल सहित कई पूर्व और वर्तमान खिलाड़ियों ने प्रशंसकों को नये साल की शुभकामनाएं दी हैं। जाफर ने एक अलग ही अंदाज में सभी को नये साल की बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक अनूठे अंदाज में लिखा, सभी को नये साल की बधाई! आपके लिए ये साल पैट कमिंस के पिछले साल जैसा सफल हो।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के कप्तान कमिंस ने पिछले साल कई अहम उपलब्धियां हासिल कीं थीं। उनकी कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के साथ ही एकदिवसीय विश्वकप भी जीता था। इसके अलावा कमिंस पर आईपीएल नीलामी में भी पैसा बरसा था। इससे वह आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी भी बन गये थे। उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने 20 करोड़ 50 लाख रुपये में खरीदा था। वहीं सबसे ज्यादा रकम उनके के साथी मिचेल स्टार्क को मिली थी। स्टार्क को करीब 24 करोड़ की राशि मिली थी।

वहीं, महान बल्लेबाज सचिन ने शुभकामनाएं देते हुए कहा, नया साल नए सपनों को लिखने और वर्तमान सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध होने के लिए एक अच्छा समय है। हमारे सभी सकारात्मक विचार उन लक्ष्यों में प्रकट हों जो हम चाहते हैं। सभी के लिए सुखद हो ये नया साल। वहीं भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने लिखा, सभी के लिए नया साल प्यार, सकारात्मकता और रोमांच से भरा हो। वहीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने कहा, आने वाले वर्ष आपका खुशियों, सफलता और रोमांच से भरा हो। नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं! नया साल मुबारक हो। इसके अलावा गौतम गंभीर सहित कई अन्य पूर्व क्रिकेटरों ने भी प्रशंसकों को बधाईयां दी हैं।

दक्षिण अफ्रीका में चार देशों के टूर्नामेंट में भाग लेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के सिलसिले में दक्षिण अफ्रीका में 14 जनवरी से शुरू होने वाले चार देशों के टूर्नामेंट में भाग लेगी जिसमें उसका सामना मेजबान देश के अलावा फ्रांस और नीदरलैंड से होगा।

हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार इस टूर्नामेंट से पहले 39 सदस्यीय कोर ग्रुप राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में भाग लेगा जो बुधवार से भारतीय खेल प्राधिकरण के बेंगलुरू स्थित परिसर में शुरू होगा। पेरिस ओलंपिक के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी भारतीय टीम 11 दिन के शिविर के बाद केपटाउन रवाना होगी। दक्षिण अफ्रीका में 28 जनवरी तक चलने वाले टूर्नामेंट से भारतीय टीम को फरवरी में ओडीशा में होने वाले प्रो लीग की तैयारी करने का भी मौका मिलेगा।

भारत को प्रो लीग में ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, स्पेन और आयरलैंड का सामना करना है। भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'हमारे खिलाड़ी अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाने के बाद तरोताजा होकर वापसी कर रहे हैं। हम दक्षिण अफ्रीका के दौरे से हॉकी सत्र की शुरुआत करेंगे। यहां से पेरिस ओलंपिक तक हमारा कार्यक्रम बेहद व्यस्त रहेगा। हमारे कोर ग्रुप में अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं।'

कोर ग्रुप के लिए चुने गए खिलाड़ी

गोलकीपर: कृष्ण बहादुर पाठक, श्रीजेश पीआर, सूरज करकेरा, पवन, प्रशांत कुमार चौहान।

डिफेंडर: जरमनप्रीत सिंह, सुरेंदर कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप जेस, संजय, यशदीप सिवाच, दिपसन टिर्की, मंजीत।

मिडफील्डर: मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलकंठ शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, मनिंदर सिंह।

फॉरवर्ड: एस कार्ति, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, पवन राजभर।

राफेल नडाल ने जीत के साथ ही साल की शुरुआत, डोमिनिक थिएम को हराया

ब्रिसबेन। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन राफेल नडाल ने दुनिया के पूर्व नंबर तीन खिलाड़ी डोमिनिक थिएम को 7.5, 6.1 से हराकर इस वर्ष में पहली जीत दर्ज की। पिछले साल जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में बाहर होने के बाद से नडाल ने कोई एकल मैच नहीं खेला है। 37 वर्ष के नडाल ने पहले सेट में सिर्फ छह सहज गलतियां की और तीन ही अंक गंवाए। उन्होंने 89 मिनट में यह मुकाबला जीता। कूल्हे की चोट के कारण लंबे रिहैबिलिटेशन के बाद लौटे नडाल यहां वाइल्ड कार्ड पर खेल रहे हैं। अन्य मैचों में जर्मनी के यानिका हांफमैन ने पांचवीं वरीयता प्राप्त सेबेस्टियन कोरडा को 7.5, 6.4 से मात दी। महिला वर्ग में 2020 आस्ट्रेलियाई ओपन विजेता सोफिया केनिन ने 113वीं रैंकिंग वाली एरिना रोडियोनोवा को 7.5, 7.6 से हराया।

अमेरिकी ओपन चैंपियन में कोको गॉ की शानदार शुरुआत

ऑकलैंड । अमेरिकी ओपन चैंपियन कोको गॉ ने मंगलवार को यहां ऑकलैंड टेनिस क्लासिक में हमवतन क्लेरी लियु को सीधे सेटों में हराकर 2024 के अपने सत्र की शानदार शुरुआत की। गॉ चैंपियन गॉ ने अपने फोरहैंड का शानदार नमूना पेश किया तथा लियु को 6-4, 6-2 से पराजित करके दूसरे दौर में प्रवेश किया। गॉ ने पिछले साल अमेरिकी ओपन के फाइनल में आर्यना सबालेंका को 2-6, 6-3, 6-2 से हराकर अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी कैरोलिन वोज्नियाकी ने नए साल की शुरुआत हार के साथ की। उन्हें पहले दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने 6-4, 6-3 से पराजित किया।

पाकिस्तान ने की प्लेइंग 11 की घोषणा की, शाहीन अफरीदी बाहर

सिडनी (एजेंसी)। श्रृंखला के पहले दो टेस्ट हारने के बाद पाकिस्तान ने शाहीन शाह अफरीदी को उनके कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए सिडनी में 3 जनवरी से शुरू होने वाले नए साल के टेस्ट के लिए ब्रेक देने का फैसला किया है। पाकिस्तान टीम प्रबंधन ने स्पष्ट कर दिया था कि अगर वे बॉक्सिंग डे टेस्ट हार जाते हैं तो टी20 विश्व कप करीब आने पर वे शाहीन को तीसरे मैच के लिए आगे नहीं बढ़ाएंगे। साजिद खान ने प्लेइंग इलेवन में इस तेज गेंदबाज की जगह ली। 30 वर्षीय खिलाड़ी ने अबरार अहमद की जगह ली, जब पहले टेस्ट के बाद अबरार को श्रृंखला से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने विक्टोरिया इलेवन के खिलाफ टूर मैच में भाग लिया, लेकिन प्रभाव नहीं डाल सके क्योंकि उन्होंने सिर्फ एक विकेट लिया और छह रन बनाए। वहीं मेलबर्न में शानदार प्रदर्शन के बाद मोहम्मद रिजवान ने अपनी जगह बरकरार रखी है। उन्होंने 42 और 35 रन बनाए और

अंतिम एकादश में अपना स्थान पक्का कर लिया क्योंकि कप्तान शान मसूद अनुभवी सरफराज अहमद से आगे उनका समर्थन करते रहे। सीरीज के आखिरी टेस्ट में सबकी निगाहें बाबर आजम पर होंगी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान से उम्मीद की जा रही थी कि वह कप्तान का पद छोड़ने के बाद बल्ले से बेहतर प्रदर्शन करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस श्रृंखला में अब तक चार पारियों में 29 वर्षीय ने केवल 77 रन बनाए हैं, जिसने एशिया के बाहर बल्ले से उनके प्रदर्शन पर सवाल उठाए हैं। इस बीच, शाहीन, नसीम शाह और हारिस रऊफ के गायब होने से गेंदबाजी इकाई कमजोर दिख रही है। नसीम फिलहाल कंधे की चोट से उबर रहे हैं और उनके पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से पहले वापसी की उम्मीद है जबकि रऊफ ने टेस्ट क्रिकेट के बजाय बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने का फैसला किया। उनकी अनुपस्थिति में हसन अली को गेंद के साथ अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए पाकिस्तान की प्लेइंग 11

सईम अयूब, अब्दुल्ला शफीक, शान मसूद (कप्तान), बाबर आजम, सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), सलमान आगा, साजिद खान, हसन अली, मीर हमजा, आमिर जमाल

लियोन के तीन सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में सचिन, विराट भी शामिल

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने कहा है कि उन्होंने अपने अब तक के करियर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खेला है। लियोन के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियें की सूची में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली के अलावा दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स हैं। लियोन अभी विश्व के शीर्ष स्पिनरों में शामिल हैं। उनके नाम टेस्ट प्रारुप में 500 से अधिक विकेट हैं। लियोन ने पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी में तीसरे टेस्ट मैच से पहले कहा कि उन्होंने अब तक कई बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ खेला है पर सर्वश्रेष्ठ की बात की जाये तो ये तीन ही हैं। लियोन ने विराट को टेस्ट में 7 बार आउट किया है। उन्होंने साल 2011 और साल 2013 के के दौरान सचिन को 4 बार आउट किया। उन्होंने 27 टेस्ट मैचों में भारत के खिलाफ 121 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ 50 रन देकर आठ विकेट भी बेंगलुरु में भारत के खिलाफ किया था। लियोन ने डिविलियर्स को भी दो बार आउट किया है। बता दें कि लियोन ने पर्थ में पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में 500 टेस्ट विकेट लिए थे। वह 500 टेस्ट विकेट लेने वाले चौथे स्पिनर हैं।

केपटाउन में आज तक नहीं जीत सकी है भारतीय टीम, रोहित बदल पायेंगे इतिहास ?

केपटाउन (एजेंसी)। भारतीय टीम बुधवार को मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में किसी भी प्रकार जीत दर्ज कर सीरीज बराबरी पर लाने के इरादे से उतरेगी। हालांकि ये भारतीय टीम के लिए आसान नहीं रहेगा। भारतीय टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी पहले टेस्ट में विफल रही थी थी जिसके वह मनोबल कम हुआ है। वहीं अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो भी भारतीय टीम का पलड़ा कमजोर है। भारत को कभी भी केपटाउन के न्यूलैंड्स में जीत नहीं मिली है। उसे पिछले छह में से 4 टेस्ट मैच में हार मिली थी।

दोनो के बीच केपटाउन में पहला टेस्ट मैच 1993 में खेला गया था। तब भारतीय टीम की कप्तानी मोहम्मद अजहरुद्दीन के पास थी। वहीं दक्षिण अफ्रीकी टीम की कप्तानी कैप्लर वेसल्स कर रहे थे। यह मैच बराबरी पर समाप्त हुआ था।

भारत और दक्षिण अफ्रीका यहां दूसरी बार 1997 में आमने-सामने आये थे। इस मैच में सचिन तेंदुलकर की कप्तानी वाली भारतीय टीम को 282 रनों से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम इसके एक दशक के बाद द्रविड़ की कप्तानी में एक बार फिर केपटाउन में उतरी पर इस बार उसे 5 विकेट से हार झेलनी पड़ी।

भारत ने 1993 के बाद 2011 में भी केपटाउन में टेस्ट मैच ड्रॉ कराया। इस प्रकार महेन्द्र सिंह धोनी, दूसरे ऐसे कप्तान बने, जिनकी कप्तानी में भारत केपटाउन में नहीं हारा। साल 2011 के बाद भारतीय टीम दो बार और केपटाउन में टेस्ट मैच खेलने उतरी पर दोनों ही बार उसे हार का सामना करना पड़ा. दक्षिण अफ्रीका ने साल 2018 में 72 रन और 2022 में 7 विकेट से जीत दर्ज की। इस दौरान विराट कोहली कप्तान थे। ऐसे में अब देखना है कि रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम केपटाउन में जीतती है या उसे भी हार मिलती है।

कानून में तत्काल संशोधन किया जाए अन्यथा करेंगे चक्काजाम

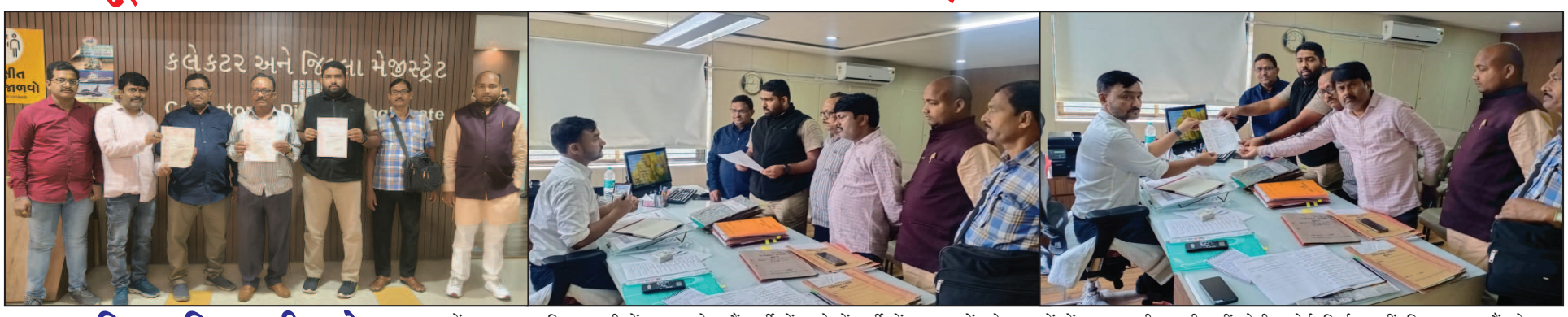

सूरत जिलाधिकारी को भारत की राष्ट्रपति की सेवा में सड़क दुर्घटना संबंधित नए कानून का विरोध करते हुए एक ज्ञापन सौंपा गया

ज्ञापन में बताया गया कि हाल ही में भारत सरकार द्वारा भारत की संसद में भारतीय न्याय सहित - 2023 को पारित कराया गया इस विधेयक की धारा 104 (1) (2) में सड़क दुर्घटना संबंधित प्रावधान डाले गए जिसमे अकस्मात होने पर ड्राइवर को 10 वर्ष तक का कारावास तथा 7 लाख तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया हैं। भारत में परिवहन के क्षेत्र में लाखों की संख्या में ड्राइवर भाई कार्यरत हैं जो दिनरात परिश्रम कर माल समान तथा यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाने का काम करते हैं। ड्राइवर भाईयो के जीवन में बहुत संघर्ष होता हैं शर्दी में जाड़े में गर्मी में बरसात में बिना कोई मौसम देखे वे अपना काम करते हैं जिसके कारण देश के हर कोने कोने तक दूध, सब्जियां, अन्न समेत अन्य खाने पीने की रोजमर्रा की वस्तुएं और माल-सामान जनजीवन तक सुचारू ढंग से पहुंचता हैं तथा यात्री भी एक स्थान से दूसरे स्थान तक यात्रा कर पाते हैं। देश के ड्राइवर भाई देश के विकास का पहिया चलाने का काम करते है। यह नया कानून ड्राइवर भाईयो के मनोबल को तोड़ने का काम कर रहा हैं। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं के लिए हर बार ड्राइवर ही जिम्मेदार नहीं होता बहुत से मामलों में ड्राइवर की गलती नहीं होती हैं। इस कानून के खिलाफ देश के ड्राइवर भाईयो के बीच बड़े पैमाने पर आक्रोश व्याप्त हुआ हैं अत: इस कानून में तत्काल न्यायोचित संशोधन करने की मांग करते हैं। ज्ञापन कार्यक्रम में सूरत के कपड़ा उद्योग के तीनों प्रमुख संगठन पार्सल, ग्रे, तथा फिनिश टेंपो के यूनियन तथा एसोसिएशन शामिल रहे।

मजदूर यूनियन के प्रवक्ता शान खान ने बताया कि यह कानून ड्राइवर भाईयो को अत्यधिक दंडित व कठोर रूप से प्रताड़ित करने वाला हैं। इस मामले पर यदि तत्काल कोई निर्णय नहीं लिया जाता हैं तो सूरत के टेम्पो चालकों को भी हड़ताल के लिए विवश होना पड़ेगा।

इस अवसर पर सूरत जिला टेक्सटाइल मार्केटिंग ट्रांसपोर्ट लेबर यूनियन के अध्यक्ष उमाशंकर मिश्रा, प्रवक्ता शान खान, सूरत शहर टेंपो मालिक- ड्राइवर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रवणसिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष शिवा सिंह, ग्रे-फिनिश डिलिवरी कोंट्रक्टर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय पाटिल, मजदूर अग्रणी राहुल पांडे, सभाराज यादव, समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में गांधीनगर में राज्य वन्य जीव बोर्ड की बैठक सम्पन्न हुई

सूरत। मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में गांधीनगर में आयोजित राज्य वन्य जीव बोर्ड की 23वीं बैठक में 69668.51 हेक्टेयर क्षेत्र को अक्षुण्ण वन घोषित करने के लिए प्रारंभिक सर्वेक्षण हेतु वन विभाग द्वारा की जाने वाली कार्यवाही के निर्देश दिये गये। राज्य के सूरत वन मंडल के दो प्रभागों के संरक्षित वन क्षेत्र को अभयारण्य के रूप में।

तदनुसार, सूरत जिले के उमरपाड़ा, वडपाड़ा, मांडवी उत्तर और दक्षिण और तापी व्यारा के खेरवाड़ा, ताप्ती और वाजपुर की 7 रेंजों की जानकारी, वनस्पतियों और जीवों और अक्षुण्ण जंगल का प्रारंभिक सर्वेक्षण वन विभाग के क्षेत्र अधिकारियों द्वारा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल ने इस बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी द्वारा वन्य जीव एवं पर्यावरण संरक्षण-संवर्धन के साथ मानव जीवन विकास के समन्वित विकास के लिए दिये गये मिशन जीवन विचार को केन्द्र में रखने के लिए प्रेरक मार्गदर्शन दिया।

इस बैठक में मुख्यमंत्री के सामने राज्य के 7 अभयारण्यों में भूमिगत ऑप्टिकल फाइबर केबल, मोबाइल टावर, सड़कों के 15 प्रस्ताव पेश किए गए.

ये कार्य घुड़खर अभयारण्य के अलावा कच्छ, बलराम-अंबाजी, नारायण सरोवर, गिर, जम्बुघोड़ा और शूर्पणेश्वर अभयारण्य क्षेत्रों में किए जाएंगे।

इस बैठक में वन मंत्री श्री मुलुभाई बेरा, राज्य मंत्री श्री मुकेशभाई पटेल, मुख्य सचिव श्री राजकुमार ने भी विभिन्न सुझाव दिये।

इस बैठक में इस बात पर चर्चा की गई कि राज्य में तेंदुओं के कारण होने वाली मानव संघर्ष की घटनाओं के खिलाफ वन विभाग ने दीर्घकालिक सुरक्षात्मक उपाय और अभियान चलाए हैं.

वरिष्ठ मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री नित्यानंद श्रीवास्तव ने इस संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। बताया गया कि आक्रामक तेंदुओं को शांत करने के लिए पर्याप्त ट्रैंकुलाइजर गन खरीदने की कार्रवाई की जा रही है।

इतना ही नहीं, चूंकि दक्षिण गुजरात क्षेत्र में मानव जनसंख्या घनत्व अधिक है, इसलिए मानव आबादी बढ़ने पर तेंदुओं को पकड़ने के लिए प्रति तालुका 10 पिंजरे खरीदने की योजना है।

विभाग ने तेंदुओं के व्यवहार का अध्ययन करने और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ट्रैप कैमरे खरीदने के साथ-साथ तेंदुओं की रेडियो-कॉलिंग भी की है। पांच तेंदुओं को रेडियो कॉलर भी लगाया गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि दक्षिण गुजरात के सूरत और वलसाड में दो नए बचाव केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया प्रगति पर है और हाल ही में पावागढ़ और जंबुघोड़ा में बचाव केंद्र शुरू किए गए हैं।

मुख्य सचिव श्री राजकुमार ने तेंदुओं को मानव आबादी से दूर संरक्षित वन क्षेत्रों में बसाने के दीर्घकालिक समाधान के रूप में पुनर्वास केंद्र वन विभाग की दिशा योजना का सुझाव दिया।

इस बैठक में मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री यू.डी.सिंह, प्रमुख सचिव श्री संजीवकुमार, मुख्य प्रधान वन संरक्षक एवं बोर्ड के सदस्य, विधायक सर्व श्री महेशभाई कासवाला, मालतीबहन माहेश्वरी सहित वाइल्डलाइफ सीनियर सहित संबद्ध संस्थाओं के सदस्य भी उपस्थित थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के रथ का भव्य स्वागत करते हुए ऑलपाड तालुका के ईशानपोर और मासमा गांव के ग्रामीण

सूरत। केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं का लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने के इरादे से सूरत के ऑलपाड तालुक के ईशानपोर और मासमा गांवों में भारत संकल्प यात्रा का रथ तैयार किया गया. जहां ग्रामीणों ने संकल्प यात्रा के रथ का भव्य स्वागत किया और भारत को विकसित बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विशेष संबोधन दिया गया। एवं पदाधिकारी एवं केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न शाखाओं के माध्यम से पोषण अभियान, प्रधानमंत्री आवास योजना, गंगा सहाय योजना, उज्ज्वला योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, विश्वकर्मा योजना, आयुष्मान कार्ड, जल जीवन मिशन योजना ,अटल विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे पेंशन योजना, प्राकृतिक खेती, पशुपालन की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर ईशानपुर गांव में मुख्यमंत्री मातृशक्ति योजना के 12 लाभुकों एवं मसमा गांव में मुख्यमंत्री मातृशक्ति योजना के 10 लाभुकों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी आईसीडीएस योजनाओं का वितरण किया गया। मिशन मंगलम योजना, पोषण अभियान, पीएमजेवाई, सखी मंडल, गंगा सहाय योजना, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग के लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किये। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य सीताबेन राठौड़, टी.पी. अध्यक्ष निताबेन पटेल, टी.पी. उपाध्यक्ष श्री किरणभाई पटेल, पूर्व अध्यक्ष श्री अमितभाई पटेल, तालुका एसोसिएशन के महासचिव श्री कुलदीप सिंह ठाकोर, टी.पी. कार्यकारी अध्यक्ष श्री जयेशभाई पटेल, डॉ. सतारूढ़ दल के नेता श्री जिग्नेशभाई पटेल, तालुका विकास अधिकारी श्री हार्दिकभाई गढ़वी, एकीकृत बाल विकास योजना अधिकारी श्री भारतीबेन मुंडवा, सहायक कृषि निदेशक श्री अजयभाई, ईशानपोर ग्राम पंचायत के सरपंच श्री धर्मेशभाई पटेल, दिन। सरपंचश्री चंद्रिकाबेन पटेल, मासमा ग्राम पंचायत की सरपंचश्री दर्शनाबेन, डी.सरपंचश्री बकुलभाई, चिकित्सा अधिकारी डॉ. अल्पाबेन जोशी, आईसीडीएस प्रमुख सेविका जयश्रीबेन पटेल, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कर्मचारी और अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, ग्रामीण, लाभार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

यश सोनी और टार्जनी भादला स्टारर डैनी जिगर 5 जनवरी को रिलीज होगी

सूरत ।

नया साल शुरू हो चुका है और आपके नए साल को अनोखे अंदाज में मनाने और आपको हंसाने के लिए कॉमेडी और एक्शन से भरपूर फिल्म "डैनी जिगर- एक मात्र " आ रही है। हां हां! बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डैनी जिगर' के ट्रेलर को दर्शकों ने खूब सराहा है और अब यह फिल्म 5 जनवरी 2024 को रिलीज हो रही है। अनंता बिजनेसकॉर्प और पटेल प्रोसेसिंग स्टूडियोज के बैनर तले निर्मित इस फिल्म में यश सोनी और तर्जनी भादला मुख्य भूमिका में होंगे।

निलय चोटाई और दीपेन पटेल द्वारा निर्मित, फिल्म "डैनी जिगर" केएस एंटरटेनमेंट और ए बिगबॉक्स सीरीज़ प्रोडक्शन के सहयोग से बनाई गई है। इस फिल्म के निर्देशक कृष्णदेव याग्निक हैं जिन्होंने कई टॉप क्लास हिट फिल्में दी हैं। एक्टर यश सोनी और डायरेक्टर कृष्णदेव याग्निक की एक साथ ये 5 वीं फिल्म है। कृष्णदेव याग्निक और जसवंत परमार द्वारा लिखित इस फिल्म में जितेंद्र ठक्कर और चेतन दैया भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में होंगे।

फिल्म की कहानी एक स्टाइलिश सुपरकॉप डैनी जिगर (यश सोनी द्वारा अभिनीत) के कारनामों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो चोरी हुई 600 साल पुरानी मूर्ति को वापस पाने के चुनौतीपूर्ण मिशन पर निकलता है। डैनी जिगर अपने अनोखे अंदाज से मामलों को अनोखे तरीके से सुलझाते हैं। फिल्म दर्शकों को एक्शन से भरपूर और हास्यपूर्ण सिनेमाई यात्रा का वादा करती है। इस फिल्म में यश सोनी का एक अलग अवतार देखने को यह फिल्म हंसी-मजाक और ताजगी के डोज़ से भरपूर है। डैनी जिगर की शैली, स्वैग, आभा और महाकाव्य वन-लाइनर गुजराती फिल्म प्रेमियों के लिए नया चलन बन रहे हैं।

यूएसएड-समर्थित समृद्ध ब्लेंडेड फाइनेंस फैसिलिटी अस्पतालों में गंभीर देखभाल सेवाओं को मजबूत करने के लिए सीआईपीएसीए को 2 करोड़ रुपये की फंडिंग का समर्थन दिया

समृद्ध हेल्थकेयर ब्लेंडेड फाइनेंस सुविधा, यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) द्वारा समर्थित और आईपीई ग्लोबल द्वारा कार्यान्वित एक बहु-हितधारक नवाचार और वित्तपोषण मंच, ने सीआईपीएसीए को 2 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की है। सीआईपीएसीए ग्रामीण भारत में इंटेंसिव केयर यूनिट्स (आईसीयू) के लिए एक अग्रणी सेवा प्रदाता है। सहायता एक पुनर्प्राप्ति योग्य अनुदान के रूप में प्रदान की गयी है और इसका उपयोग उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार और महाराष्ट्र में जिला, कस्बों और तालुकों के छोटे अस्पतालों के साथ साझेदारी में आईसीयू स्थापित करने के लिए किया जा रहा है। यह पहल चयनित अस्पतालों के बुनियादी ढांचे और संचालन को मजबूत करेगी, उन्हें आईसीयू देखभाल के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित करेगी और वंचित समुदायों को सुलभ और किफायती स्वास्थ्य देखभाल समाधान प्रदान करेगी।

भारत में, छोटे ग्रामीण अस्पतालों को महत्वपूर्ण देखभाल सेवाएं प्रदान करने में संसाधन सीमाओं, अपर्याप्त बुनियादी ढांचे और कुशल स्वास्थ्य पेशेवरों की कमी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सीआईपीएसीए छोटे शहरों के अस्पतालों के साथ सहयोग करके, उच्च गुणवत्ता वाली आईसीयू सेवाएं प्रदान करके इन चुनौतियों पर काबू पाता है जो ग्रामीण आबादी के लिए सुलभ और सस्ती दोनों हैं। यह समाधान 24/7 प्रतिबद्ध कर्मचारियों द्वारा समर्थित है। कंपनी ने अब तक 10 से अधिक भारतीय राज्यों में आईसीयू स्थापित किए हैं और जिला और तालुक स्तर पर 20 से अधिक अस्पतालों के साथ साझेदारी की है। सीआईपीएसीए की इनोवेटिव ड्रॉप-इन आईसीयू अवधारणा ने रोगी देखभाल को बढ़ाने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है, जिससे देश भर में 1,00,000 से अधिक लोगों की जान बचाने में योगदान मिला है। यूएसएआईडी समर्थित समृद्ध से वित्तीय सहायता, इन उच्च-प्रभाव समाधानों के विस्तार को और तेज करती है, जो ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

सीआईपीएसीए के एमडी, डॉ. राजा अमरनाथ ने कहा कि, "सीआईपीएसीए अपने सहयोगी अस्पतालों को अधिक आत्मनिर्भर बनने में मदद करने के आदर्श के साथ काम करता है। प्रत्येक तालुक स्तर पर तृतीयक स्तर के आईसीयू देखभाल की बहुत आवश्यकता है। हम इन छोटे शहरों में आईसीयू स्थापित करके और महत्वपूर्ण घंटों के दौरान रोगियों का अच्छा इलाज करके अधिक जीवन बचा सकते हैं। एक ग्रामीण अस्पताल में सीआईपीएसीए का आईसीयू एक महीने में 100-150 रोगियों का इलाज करता है, जिसमें शहर की तुलना में 1/4 लागत होती है। अस्पताल आईसीयू, इस प्रकार प्रत्येक मरीज के लिए लगभग रू 3-5 लाख की बचत होगी। अस्पताल सर्जरी और अन्य प्रक्रियाओं के लिए अधिक गंभीर रोगियों को लेने में भी सक्षम होगा। यदि सही तरीके से उपयोग किया जाता है, तो इस हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप लगभग रू 75-100 करोड़ की वार्षिक बचत होती है। प्रत्येक आईसीयू सुविधा के आसपास के समुदाय के लिए। इसके अलावा, यूएसएआईडी ने सीआईपीएसीए के प्रयासों को मान्यता दी, और हम इस अनुदान के लिए आभारी हैं। यह हमें अपने विस्तार के साथ आगे बढ़ने और अन्य राज्यों में रहने वाले मरीजों को अपनी सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करता है।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)